RNI:RJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2018-20
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2018

शिव आमंत्रण

अध्यात्म की नई उड़ान...
सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण
वर्ष 06 अंक 06 हिन्दी (मासिक) जून 2019 सिरोही पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 9.50

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष..पेज:8-9

05

सुबह उठते ही पहला विचार पावरफुल....
14

विज्ञान की सक्रियता के बावजूद बढ़ रही....

ब्रह्माकुमारीज़ के यातायात प्रभाग की अभिनव पहल, मई 2018 में किया प्रयोग...

मुंबई में चार स्थानों पर राजयोग का प्रयोग, सड़क दुर्घटनाओं में आई 33% की कमी

बीके भाई-बहनों ने नियमित रूप से 40-50 मिनट राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से संबंधित क्षेत्र में फैलाए शुभ प्रकंपन

एक ही माह में वर्ष 2017 व 2018 के ग्राफ में दर्ज की गई कमी

आबू रोड वैज्ञानिक प्रयोगों से यह सिद्ध हो चुका है कि हमारे सकारात्मक व नकारात्मक विचारों का प्रभाव आसपास की प्रकृति, जीव-जंतुओं और लोगों पर भी पड़ता है। दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति हमारे विचार हैं। यदि विचार नकारात्मक हैं तो आसपास की चीजों पर वैसा ही प्रभाव पड़ता है। यदि विचार सकारात्मक व श्रेष्ठ हैं तो परिणाम सुखद आते हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के यातायात एवं परिवहन प्रभाग द्वारा एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इसके तहत एक विशेष दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र को चुनाव किया जाता है। बाद में बीके भाई-बहनें संबंधित क्षेत्र के लिए सामूहिक रूप से नियमित राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास के द्वारा शुभ व श्रेष्ठ बाइब्रेशन देते हैं। मेडिटेशन के माध्यम से उस क्षेत्र के लोगों व स्थान को पॉजीटिव बाइब्रेशन देते हुए परमात्मा से शक्ति लेकर वहां देते हैं, ताकि दुर्घटनाओं के ग्राफ को कम किया जा सके।

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रथम प्रयास में पिंपरी-चिंचवाड़ क्षेत्र में फरवरी 2018 में अनुसंधान किया गया। इसमें अप्रत्याशित रूप से सड़क दुर्घटनाओं में 27.5 फीसदी की कमी दर्ज की गई। प्रयोग के लिए वर्ष 2017 व 2018 के फरवरी के आंकड़ों को लिया गया। इसके बाद मई 218 में मुंबई के ही 4 क्षेत्रों में राजयोग सकाश का सड़क दुर्घटनाओं का प्रभाव का अध्ययन किया गया। इसके बाद दोबारा पिंपरी-चिंचवाड़ क्षेत्र में जून 2018 में रिसर्च स्टडी की गई। उन क्षेत्रों की सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े पुलिस विभाग से प्राप्त किए गए। जिसमें यह पाया गया कि राजयोग सकाश के परिणामस्वरूप चुने गए क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाओं में औसतन 33 प्रतिशत (अधिकतम 58.6% गामदेवी, मुम्बई और न्यूनतम 10.9% बोरीवली, मुंबई) की संबंधित क्षेत्र में कमी आई।

पिंपरी-चिंचवाड़ में दो बार अध्ययन

पिंम्परी-चिंचवाड़ क्षेत्र में दो बार अध्ययन किया गया। इसमें पाया गया कि राजयोग सकाश के फलस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं में पहले अध्ययन में 27.5 प्रतिशत और दूसरे अध्ययन में 22.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। दोनों अध्ययनों में दुर्घटनाओं के ग्राफ में आई कमी यह दर्शाती है कि यह प्रयोग अगर नियमित किया जाएं तो बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

इन अनुसंधानों में 1850 बी.के. भाई-बहनों ने एक महीने प्रतिदिन 40-50 मिनट तक निर्धारित ऑडियो कॉमेंटरी के अनुरूप चिंतन करते हुए राजयोग का अभ्यास किया

मई-2018: राजयोग सकाश द्वारा सड़क सुरक्षा प्रोजेक्ट के अनुसंधान क्षेत्र...

गामदेवी मुंबई
- वार्षिक दुर्घटना औसत (2018 -2018) -7.25
- शोध मास मई 2018 में दुर्घटना के आंकड़े -3
- दुर्घटनाओं में कमी का प्रतिशत -58.5%

थाणे मुंबई
- वार्षिक दुर्घटना औसत (2018 -2018) -12.42
- शोध मास मई 2018 में दुर्घटना के आंकड़े -7
- दुर्घटनाओं में कमी का प्रतिशत -43%

नवसारी मुंबई
- वार्षिक दुर्घटना औसत (मई 2018 - अप्रैल 2018) -17.2
- शोध मास मई 2018 में दुर्घटना के आंकड़े -12
- वार्षिक औसत अनुपात दुर्घटनाओं में कमी -30%

बोरीवली मुंबई
- वार्षिक दुर्घटना औसत (मई 2018 - अप्रैल 2018) -94.25
- शोध मास मई 2018 में दुर्घटना के आंकड़े -84
- दुर्घटनाओं में कमी का प्रतिशत -10.9%

इसी प्रकार पिंपरी-चिंचवाड़ सेवाकेन्द्र के अन्तर्गत इस प्रोजेक्ट को जून 2018 में फिर से रिपिट किया गया। इसके परिणाम भी पहले की तरह अच्छे रहे। प्रथम अयास में जहां वार्षिक औसत की तुलना में 22.7% दुर्घटनायें कम हुई वहीं दूसरे अध्ययन में पिंपरी-चिंचवाड़ नगरपालिका सीमा में दुबारा किये गये अनुसंधान के अनुसार वार्षिक औसत की तुलना में दुर्घटनाओं में 20.7% की कमी दर्ज की गयी।

आपकी राय

ब्रह्माकुमारीज़ के ट्रांसपोर्ट विंग द्वारा हमारे क्षेत्र को राजयोग द्वारा सकाश देने के लिए चुना गया, इसकी बहुत खुशी है। इस पायलेट प्रोजेक्ट से इस वर्ष 20.5 फीसदी दुर्घटनाएं कम हुई हैं, जो बहुत बड़ी बात है। इसके लिए मैं पुणे पुलिस की ओर से संस्था को धन्यवाद देता हूं। मैं यह भी मानता हूं कि जैसे राजयोग के अभ्यास से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है, ऐसे हमारे पिंपरी-चिंचवाड़ क्षेत्र में अपराधों में कमी लाने के लिए भी राजयोग बहुत कारगर साबित होगा। इससे पुलिसकर्मियों के तनाव में भी कमी आएगी।

सतीश पाटिल, एसीपी,पिंपरी, पुणे

यातायात एवं परिवहन प्रभाग अपने स्थापना वर्ष से लगातार समाज में व्याप्त समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है। हमने अब तक जो प्रयास किए और जितनी सड़क दुर्घटना में जो सफलता मिली है उसके आधार पर हम कह सकते हैं कि राजयोग मेडिटेशन वैज्ञानिक मापदंडों के ऊपर भी खरा उतरकर समाज के विकास में बहुत ही मददगार साबित हो सकता है।

दिव्या बहन, उपाध्यक्षा, यातायात एवं परिवहन प्रभाग

महाराष्ट्र राज्य के 3 शहरों पुणे, थाणे और मुंबई के बोरीवली, गामदेवी क्षेत्रों व गुजरात के नवसारी सेवाकेन्द्र के अंतर्गत 5 चिंह्नित क्षेत्रों में ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने बहुत ही लगन और निष्ठा के साथ राजयोग सकाश के द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए अनुसंधान प्रयोग किया है। जब-जब राजयोग के अभ्यास के माध्यम से चुने गए क्षेत्र विशेष में शक्तिशाली प्रकंपनों के आधार से अध्ययन एवं प्रयोग किया गया तब-तब महीने के अनुपात के अनुसार और वार्षिक औसत के अनुपात के अनुसार भी सड़क दुर्घटनाओं में कमी दर्ज की गई है। सरकार द्वारा उपलब्ध सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों के मुताबिक राजयोग सकाश के इस प्रयोग द्वारा 5 स्थानों पर दुर्घटनाओं में औसतन 33 फीसदी की कमी आई है। यदि यह अनुसंधान प्रयोग 20-25 शहरों में किया जाए तो निश्चित रूप से सफलता की संभावना है और उन शहरों के आंकड़ों को एकत्रित करके सरकार के सामने राजयोग की उपलब्धि को एक रिपोर्ट के रूप में पेश किया जा सकता है।

मुकुल चौधरी, सीनियर मैनेजमेंट कंसलटेंट, पुणे

भारत देश में सड़क दुर्घटनाओं की ज्वलंत समस्या को ध्यान में रखते हुए यातायात सुरक्षा के लिए राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के यातायात एवं परिवहन प्रभाग ने समाज व देश को ज्यादा सुरक्षित बनाने के लक्ष्य से जो प्रयास किया है, वह बहुत ही महत्वपूर्ण है। प्रभाग सामाजिक सरोकार को ध्यान में रखते हुए ऐसे अनेक कार्यक्रम करता रहता है। उन कार्यक्रमों के माध्यम से न केवल यातायात एवं परिवहन क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को लाभ होता है, बल्कि समाज के हर व्यक्ति और हर रोड-यूजर के जीवन को सुरक्षित बनाने की दिशा में आगे बढ़ते रहते हैं। राजयोग सकाश द्वारा सड़क सुरक्षा नामक इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत हमारे राजयोगी भाई-बहनों ने जो प्रयास किया है उसे सामाजिक जागृति एवं प्रशिक्षण के माध्यम से और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की दिशा में हम अग्रसर हैं। इसके अलावा संस्था के मुख्यालय में वर्ष में दो बार राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित किया जाता है।

बी.के. सुरेश शर्मा, संयोजक, यातायात एवं परिवहन प्रभाग, माउंट आबू

प्रेरणापुंज

दादी जानकी
मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

पक्का योगी बनना है तो संकल्प, बोल और कर्म पर पूरा ध्यान हो, स्वभाव बहुत सरल हो

शिव आमंत्रण आबू रोड। अपने आपसे पूछो कि मुझे क्या करना है? हम जानते हैं हमारा बाप, टीचर, सत्गुरू स्वयं धर्मराज है। उसने सत राज्य स्थापन करने के लिए ही हम बच्चों को अपना बनाया है। तो हमारा काम क्या है? सत धर्म , स्व धर्म में टिक कर सत राज्य कारोबार करना। स्थापना में बाबा के साथ हैं तो हमारे संकल्प ,वचन और कर्म में दिखाई पड़े कि यह सचमुच ईश्वरीय दरबार है। कितना सत्यता का राज्य है। अभी-अभी यह भान आना चाहिए। हम सतयुगी राज्य में आने के अधिकारी हैं। अपने अन्दर सत धर्म है तो राज्य कारोबार में भी सत्यता है। सुख-शांति , पवित्रता और प्रेम पहले अपनी स्थिति में हैं और साथ-साथ सबके साथ व्यवहार में हैं तो दिल गवाही देती है कि मैं बाबा के साथ नम्बरवन में आ सकती हूँ। सन सोज फादर , फादर सोज सन। हम बच्चे ही बाबा का साक्षात्कार कराने वाले हैं। बच्चे ही दुनिया के सामने आएंगे।

बाबा ने कहा अभी प्रालब्ध का अनुभव करो। पुरूषार्थ बहुत किया अभी पुरूषार्थी नहीं करो परन्तु उसकी प्रालब्ध क्या है? सदा सुख-शांति, प्रेम-आनंद में रहना, महसूस करना औरों को भी यह अनुभव कराना। उनको यह न दिखानी पड़े। उसको यह न दिखाई पड़े कि इसने 60 वर्ष, 50 वर्ष, 25 वर्ष, 20 वर्ष, पुरूषार्थ किया है तभी यह श्रेष्ठ स्थिति को पाया है। लेकिन हमारी स्थिति उनको ऐसा अनुभव कराये जो आज का आया हुआ भी समझे कि यह मैं भी कर सकता हूँ। अभी-अभी पुरूषार्थ करें, अभी-अभी प्रत्यक्षफल खाएं। बहुत मेहनत से अपने आपको छुड़ायें। बुद्धि को भटकने से छुड़ायें। छोटी-छोटी बातों में ,अनेक बातों में बुद्धि इधर-उधर गयी ,जहाँ जरूरत नहीं वहाँ बुद्धि गई तो भी समय गंवाया। जो करता है अच्छा ही करता है, हमारे सोचने से , कहने से कुछ चेंज होगा क्या! होने वाला है तो हो जायेगा या वह अपने पुरूषार्थ से होगा। हम चिंतन करके अपना माथा गर्म करें या व्यर्थ दिमाग को चलायें, जरूरत नहीं है। बहुत शांत, शुद्ध रह कर राइट सोचें तो फिर हम जो कहेंगे वह कोई भी मानेगा कि राइट है। सोचना ज्यादा है तो कोई नहीं मानेगा राइट है। कोई भी बात हो, हमारे में समाने की ऐसी शक्ति हो जो उसका जरा सा भी इफेक्ट न हो, अगर इफेक्ट आता है तो यह भी मेरा डिफेक्ट हो जाता है। हम तो परफेक्ट बनने का सदा ध्यान रखते हैं। अभी नहीं बनेंगे तो और तो कोई टाइम आने वाला नहीं है। तो अभी हमको परफेक्ट बनना है। इसके लिए सुस्ती जरा भी न हो क्योंकि यह सुस्ती कई प्रकार का नुकसान करती है। योगयुक्त रहने नहीं देती, मुरली का कदर नहीं रहता। सुस्ती कई बार बहाना दे देती है। इसका भी कारण - देह अभिमान । धारणा पर ध्यान नहीं होगा, अलबेलापन आएगा । फिर कहेंगें अच्छा , बाबा ने कहा कि सब राजायें थोड़ी बनेंगे.. इस प्रकार से सुस्ती वाले के ख्यालात होंगे। कहेंगे जो मेरे से होगा सो करेंगे, जितना होगा उतना करेंगे। लेकिन जिनमें सुस्ती नहीं है वह तो कहेंगे जो करना है सो अब करना है मुझे ही करना है। फिर शुद्ध संकल्प , दृढ़ संकल्प करा ही लेता है। जो बाबा सुनाता है वह दिल में कैसे समा लें और सारा दिन हर्षितचित्त, हर्षितमुख रहें। यह आदत पड़ जाए। स्वर्ग तो हमारे आंखों के सामने खड़ा है। जो अच्छे पुरूषार्थी हैं वह याद की लगन से सच्चा बाबा को प्यार करके, देहधारियों से लगाव झुकाव खत्म करके, एक ही लगन से पास्ट के विकर्म विनाश करने का काम पहले उतार लेते हैं क्योंकि अगर अच्छी तरह से याद नहीं करेंगे तो उल्टे विकर्म होंगे और सजा खानी पड़ेगी। तो आत्मा में अन्दर से प्यार भरी याद हो। याद का सबूत है- बुद्धि कहां भटकेगी नहीं। श्रीमत पर दिल से चलेंगे। याद में रहने के लिए भले कोई विघ्न आयेंगे , माया छोड़ेगी नहीं, पीछे पड़ेगी लेकिन पहलवान वह जो सेकंड में माया को भगाये। चाहे शरीर की बीमारी आये, कुछ भी आये- वह भी थोड़ा हिसाब-किताब है, तुम पढ़ने पढ़ाने में मस्त रहो तो वह भी भाग जायेगी। बैठेगी नहीं। उसका ख्याल करेंगे, पालना करेंगे तो बैठ जायेगी। पढ़ने-पढ़ाने में मस्त होंगे तो चली जायेगी। विघ्न कौन से आते हैं ? यह ऐसा क्यों करता, इसको ऐसे नहीं बोलना चाहिए, सारा दिन फालतू गोरखधन्धा। उसको माया ही नहीं समझते। इसलिये ईश्वरीय बचपन लाइफ में रहो, व्यर्थ संकल्पों से इनोसेन्ट रहो।

- क्रमशः

राजयोग से बढ़ा मनोबल, जीवन बना आनंदमय, पाकिस्तान में घुसकर दुश्मनों के छुड़ाए छक्के

शिव आमंत्रण आबू रोड। देशभक्ति हमारे सपूतों के रग-रग में बसती है जो अपना त्याग और बलिदान देकर भारत माता के इस मिट्टी का कर्ज चुकाने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। मृत्यु के भय से मुक्त हुए बिना कोई भी वीर सैनिक अपने सैनिक धर्म-कर्म का उचित निर्वाह नहीं कर सकता है क्योंकि शंका, भय और मोह जैसे विकारों से मुक्त सेना ही अपना साहस और पराक्रम के साथ अपने देश के लिए शौर्य गाथा लिखने में कामयाब हो सकती है। अपने देश का एक ऐसा ही सैनिक 80 वर्षीय वीर सपूत रिटायर्ड नायब सूबेदार ऋषिराम शुक्ला जो अपना शौर्य गाथा सुनाने आबू की धरती पर गांव कोटडीह अयोध्या उत्तरप्रदेश से पहुंचकर शिव आमंत्रण पत्रिका से खास बातचीत में देश भक्ति जगाने वाली प्रेरणादायी बातें बताई जो आगे उन्हीं के शब्दों में वर्णित है...

शखिसयत

पढ़ाई के दौरान हो गया था आर्मी में भर्ती

मैं कोर ऑफ मिलिट्री पुलिस (सीएमपी) सर्विस से एक रिटायर्ड नायब सूबेदार हूँ। मेरा जन्म उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गाँव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। मेरी शिक्षा-दीक्षा गाँव के ही स्कूल में हुई थी। पढ़ाई के दौरान ही मैं आर्मी में भर्ती हो गया। बैसिक ट्रेनिंग खत्म होने के बाद मेरी पहली पोस्टिंग आगरा में पैरा मिलिट्री फोर्स में वालेंटिअर के पद पर हुयी। सर्विस के दौरान देश की तरफ से कई लड़ाइयों में भाग लिया। 1964 में पहली बार कच्छ एक्शन में भाग लिया और हम लोगों की विजय हुयी। इस एक्शन के समय वहाँ पानी की बहुत दिक्कत थी क्योंकि पिछले ग्यारह वर्षों से उस इलाके में बहुत कम बारिश हुयी थी। अचानक वहाँ इतनी बारिश हुई कि हमारी सभी गाड़ियाँ पानी में डूब गईं। तीन दिनों तक हेलिकाप्टर से खाद्य सामग्री गिराई जाती रही।

> सभी सैनिक भाइयों से अर्ज करता हूं कि परमात्मा का ज्ञान लेकर स्वयं को तथा अपने पिता को पहचानें और राजयोग द्वारा अपने जीवन को खुशहाल बनाएं।

टास्क मिला था लाहौर तक पहुँचने का

इस एक्शन के समाप्त होते ही 1965 में पाकिस्तान से युद्ध छिड़ गया जिसमें हमारी पैरा मिलिट्री फोर्स अमृतसर रोड से एडवांस करके बाघा बार्डर पार कर डोगराई होते हुयी छुगुल कैनाल तक पहुँच गई। हमें टास्क मिला था लाहौर पहुँचने का। पाकिस्तानी फौज भागते समय छुगुल नहर पर बने ब्रिज नष्ट कर गई और नहर में बिजली की लाइन डाल गई जिससे हम लाहौर पहुँचने से असफल हो गए। इस युद्ध में हमें थोड़ा नुकसान हुआ लेकिन दुश्मन का भारी नुकसान हुआ। हमारे हौसले काफी बुलंद थे।

पाकिस्तानी फौज को ब्रिज तोड़ने से रोक दिया

इसके बाद 1970 में कोलकाता (कलकत्ता) में भड़के दंगे में भाग लेने का अवसर मिला। लगभग 6-7 महीने तक कलकत्ता शहर में पेट्रोलिंग करते हुये हम लोग शांति स्थापित करने में सफल हुये। इसके तुरंत बाद 1971 में पुनः पूर्वी पाकिस्तान से युद्ध छिड़ गया। ढाका जाने के लिए हमारी फौज को लोहा जंग रिवर जो ढाका से 27 किलोमीटर पहले पड़ती है और बहुत गहरी थी जिसमें पानी के जहाज चलते थे को पार कर जाना था। पाकिस्तानी सेना वापस भाग रही थी। हमें लोहा जंग रिवर के पुल को बचाने का कार्य मिला। उस पुल को बचाने के लिए पैरा मिलिट्री फोर्स की पैराशूट यूनिट को उतारा गया जिसमें मैं भी था। पैराशूट के जरिये 6 आर. सी. यल. गन जो टैंक को तोड़ने के काम आती है उसे भी उतारा गया। जिसमें एक गन नदी में गिर कर डूब गई और एक जवान हैंग हो गया, जिसके पैराशूट कि रस्सी काट दी गई और वह कहीं दूर जा कर गिरा जो 6 माह बाद भारत वापस आया। हम लोगों ने पाकिस्तानी फौज को ब्रिज तोड़ने से रोक दिया। इस प्रकार ब्रिज को बचा लिया गया और हमारी भारतीय सेना ढाका पहुँचने में कामयाब हो गई। इस प्रकार हमारी यूनिट के प्रयास से पूर्वी पाकिस्तान पीछे भागता गया और भारतीय सेना ढाका पहुँचने में कामयाब हो गई। वे क्षण बहुत ही रोमांचक और चुनौती पूर्ण थे।

फौज में उत्कृष्ट सेवा के लिए कुल 13 मेडल मिले

उसी समय आदेश मिला कि पश्चिमी सैक्टर में भटिंडा के पास पैराशूट यूनिट को उतारना है। हमारी ब्रिगेड को दमदम एयरपोर्ट से दिल्ली इंडियन एयरलाइन्स के हवाई जहाज से लाया गया। फिर स्पेशल ट्रेन से सुबह भटिंडा पहुँच गए। जैसे ही हम लोग भटिंडा पहुंचे पाकिस्तानी सेना के जहाज भटिंडा रेलवे स्टेशन पर बमबारी करने लगे। रेल लाइन को भारी नुकसान हुआ। रेल की पटरियाँ टूट गई। हमें भी भारी नुकसान उठाना पड़ा फिर भी हम हौसले से आगे बढ़े और रेल लाइन को और अधिक नुकसान नहीं होने दिया। फौज में उत्कृष्ट सेवा के लिए परमात्म कृपा से कुल 13 मेडल भी मिले जिसके लिए मैं परमात्मा को धन्यवाद देता हूँ।

ज्ञान मंथन से मिलती है बहुत शक्ति...

सर्विस के दौरान ही 1982 में जम्मू रिहाड़ी में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का ईश्वरीय ज्ञान मिला। ज्ञान के पश्चात जीवन बहुत संतुष्ट और आनंददायक अब तक बीत रहा है। अब तक कई परिस्थितियों को पार करते हुये नियमित ईश्वरीय ज्ञान क्लास करता रहा हूं और साथ में निरंतर राजयोग का अभ्यास कर रहा हूं। आज अपने यूनिट के सदस्यों और अधिकारियों से भी काफी सम्मान मिल रहा है। कुछ फौजियों को भी इस आध्यात्मिक ज्ञान से जोड़ने में सफलता भी मिली है। ईश्वरीय ज्ञान के पश्चात राजयोग के अभ्यास से मेरे मनोबल में दिन प्रति दिन वृद्धि होती गई। जीवन से चिंताएँ कम होने लगीं। कोई भी परिस्थिति अब एक परीक्षा मालूम होती है जिसे पार करने में परमात्मा की मदद मिलती रहती है। कहते हैं, देवताओं ने समुद मंथन किया और अमृत निकला जिसे पीकर वे अमर हो गए। वास्तव में यह सागर मंथन नहीं बल्कि ज्ञान मंथन है जिससे हर इंसान को शक्ति मिलती है।

जीवन के 80 वर्ष कब पूरे हुये पता ही नहीं चला

इस प्रकार फौज की सेवा करते हुये 1985 में सेवा निवृत हो कर अपने गाँव वापस आ गया। गाँव आने के बाद अपने स्थानीय ब्रहमाकुमारीज़ सेवा केंद्र से जुड़ गया। सेवा केंद्र गाँव से दूर होने से नियमित क्लास नहीं कर पाया लेकिन मुरली लाकर पढ़ने लगा। मेरी युगल (पत्नी) भी इस ज्ञान में आ गई और जीवन की गाड़ी सुचारू रूप से चलती हुई आज जीवन के 80 वर्ष कब पूरे हुए पता ही नहीं चला। परमात्मा आज भी शक्ति दे रहा है। प्रति वर्ष कई बार मधुबन अपने घर जाने का अवसर मिलता ही रहता है और हम ज्ञान और शक्तियों से भरते रहते हैं। परमात्मा के महावाक्य नियमित सुनता और मेडिटेसन करता हूँ जिससे बहुत सुकून मिलता है। सर्विस के दौरान विषम परिस्थितियों में भी कभी किसी प्रकार का शारीरिक नुकसान नहीं हुआ यह बाबा की शक्तियों का ही कमाल था।

जैसा करोगे, वैसा भरोगे, जो बोओगे वह काटोगे

अंत में मैं सभी सैनिक भाइयों से अर्ज करता हूँ कि वे भी परमात्मा (शिव बाबा) का ज्ञान लेकर स्वयं को तथा अपने पिता को पहचानें और राजयोग द्वारा अपने जीवन को खुशहाल बनाएं। परमात्मा के सृष्टि परिवर्तन के कार्य में अपना सहयोग देकर दैवी दुनियाँ की स्थापना के निमित्त बनें। सृष्टि परिवर्तन के कार्य में प्रकृति भी अपना पार्ट अदा करेगी जिससे कहीं भयंकर सूखा (अकाल) पड़ेगा, कहीं अति वृष्टि होगी, समुद्र में ऊँची-ऊँची लहरें उठेगी जिसमें सब कुछ जल मग्न हो जाएगा, भूकंप आएगा आदि आदि। यह भविष्यवाणी नहीं बल्कि परमात्मा के महावाक्य हैं जो गीता में भगवान ने उच्चारा है...

यदा-यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवती भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्। ।

गीता के अनुसार यह वही अति धर्म ग्लानि का समय कलयुग है। इसका विनाश होकर नई स्वर्णिम दुनिया व धर्म की स्थापना करने के लिए स्वयं परमात्मा इस धरा पर अवतरित होकर यह ज्ञान दे रहे हैं।

25 साल से राजयोग और आध्यात्म की शिक्षा जारी, ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की सामाजिक पहल...

तिहाड़ जेलः बंदी अलसुबह चार बजे से करते हैं योग-तपस्या, कई अपराधी बने नेक इंसान

जेल में बना शांति का माहौल, बंदी जेल स्टाफ का भी करते हैं सहयोग

शिव आमंत्रण » दिल्ली। आज के समय में अपराधी मनोवृत्ति को प्रेम पूर्वक समझकर उसे नेक राह पर चलने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। क्योंकि अपराध का मूल कारण नकारात्मक मनोवृत्ति और नकारात्मक विचारधारा है। इस विचारधारा को समाप्त करने कि दिशा में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान अहम भूमिका अदा कर रही है।

इस संस्थान के तहद केंद्रीय कारागार तिहाड़ जेल में वर्ष 1994 से बंदियों के लिए राजयोग मेडिटेशन का अभियान चला कर एक अनोखी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। कारागार में कैदियों को परमात्मा के प्रति ऐसी लगन लगा है कि वो अपनी अपराधवृति और बदले का भाव जैसे प्रेम और करूणा में बदल लिया हो। उनके आचरण और संस्कार मानों कलयुग में दैवी पुरुषों का आगमन हो चुका है। उनकी दिनचर्या तो तपस्वी जैसी हो चुकी है। करीब 55 से 65 बंदी रोज सुबह 4 बजे से ब्रह्ममुहूर्त में परमात्मा के ध्यान में रम जाते हैं। जहां इन कैदियों के चेहरों पर पहले आत्मग्लानि और पश्चाताप के भाव रहते थे वहीं अब आत्म संतुष्टि और आत्म सम्मान साफ-साफ देखे जा सकते हैं।

तिहाड़ जेल में एक कार्यक्र के दौरान कैदीयों के साथ ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के सदस्य

1994
से जारी है राजयोग मेडिटेशन का प्रशिक्षण

55-65
कैदी प्रतिदिन लगाते हैं ध्यान

इनके चेहरे से जो सकारात्मक भाव झलक रहे हैं जो ऊपर दिये गए फाटों में भी देखा जा सकता है। ये बंदी कैद में होकर भी ऐसा लगता है कि ये लोग फरिश्तों की बस्ती में रह रहे हैं। जिस प्रकार ब्रह्माकुमारीज़ सेवा केंद्र पर आध्यात्मिक वातावरण रहता, उसी प्रकार जेल के अंदर भी खुशनुमा और सकारात्मक विचारों वाली एक टोली बस गयी हो। सेवाकेंद्र की तरह ही जेल के अंदर प्रदर्शनी पोस्टर, मेडिटेशन चित्र, अनमोल पुस्तकालय और प्रेरणादायी स्लोगन आदि जेल बैरक में दिखाई देती है जो बेहद ही अद्भुत है।

वहां कई कैदियों को जीवन परिवर्तन होता देख उनके साथी भी इस पावन पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं ताकि अधिकतम अपराध की उत्पन्न स्थली जेल को जल्द से जल्द सकारात्मक वृति की उत्पन्न स्थली बनाया जाए तभी इस देश और दुनिया को स्वर्ग बनाया जा सकता है।

“ मैं बहुत ही भाग्यशाली हूं की परमपिता शिव बाबा ने मुझे इस सेवा के लिए चुना है। मुझे बहुत खुशी होती है जब मैं उन लोगों के बीच जा कर उन्हें शिव पिता का ज्ञान सुनाती हूं। उस ज्ञान द्वारा उनमें परिवर्तन देख कर तो उनके सभी साथी भी बहुत हैरान होते हैं की इनको क्या हुआ है जो ये अब पहले जैसे नहीं रहे बहुत ही बदल गए हैं। लड़ना-झगड़ना मार-पीट आदि भी नहीं करते हैं। अब उनके परिवार वाले भी कह कर जाते है कि हमने तो सोचा था की ये शायद और ही बिगड़ जायेंगे परन्तु ये तो पुरे साधु बन कर बाहर आये हैं और हमें भी ज्ञान की गहराई बता रहे हैं तो मुझे बहुत खुशी होती है। एक ने तो कहा दीदी 17 साल की कैद 17 दिन की ज़िन्दगी अनुभव होती है नहीं तो ज्ञान से पहले तो हमें ये लंबा समय बहुत खाता था। जेल में हजारों ने अभी तक ये ज्ञान प्राप्त कर अपना जीवन बनाया है। अब तो बाबा से यही कहना है की ऐसे ही परमात्मा सेवा लेता रहे और सबका भाग्य जगता रहे।

» **बीके सारिका,** कोऑर्डिनेटर, सुरक्षा सेवा प्रभाग, हरिनगर दिल्ली

“ मेरा जन्म एक सम्मानित ब्राह्मण परिवार में हुआ। बचपन से ही मैंने कोई अभाव नहीं देखा इसलिए जिद्दी स्वभाव का हो गया। अगर कोई काम मेरे मन के अनुकूल नहीं होता तो मैं क्रोध में आग-बबूला हो जाता था। मेरा अच्छा-खासा व्यापार था मगर क्रोधी स्वभाव के कारण 12 वर्ष तिहाड़ जेल में बन्द रहा। जब मैं जेल में गया तो लगा कि अब तो कष्टों की अति हो गई है, अब मैं पागल हो जाऊंगा। बहुत तनाव में रहने लगा था। तभी राजयोग का अभ्यास मेरा सहारा बना।

» **महेश,** तिहाड़ जेल, दिल्ली

“ क्रोध के कारण जेल जाना पड़ा। अब परमात्मा ने आजादी का मतलब बता दिया है। आज जेल में रहते प्रभु ने विकारों से मुक्त कर दिया। दुनिया वाले विकारों की जेल में हैं और भगवान ने जेल में रहते विकारों से आजाद करा दिया है। भगवान मिला सब कुछ मिला और कोई इच्छा नहीं। बाबा जब से आप मेरे जीवन में आए हो जीवन जीने का मतलब पता चल गया। अब यह जीवन बदला हुआ जीवन है बदला लेने वाला नहीं। आत्मा और परमात्मा का ज्ञान देने की सेवा करने लग पड़ा हूं जिससे पता चला अब मेरे जीवन का सच्चा लक्ष्य मिल गया है।

» **बीके मंगल,** तिहाड़ जेल, दिल्ली

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के प्रयास से कई बंदियों के जीवन को मिली नई दिशा : जेल महानिरीक्षक

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान पिछले 25 वर्षों से तिहाड़ जेल में अपनी अमूल्य सेवाएं दे रहा है। सुश्री किरण बेदी दिल्ली कारागार की पहली महिला महानिरीक्षक थीं, जिन्होंने 1993-1995 के बीच नेतृत्व किया। सुश्री बेदी को व्यापक रूप से तिहाड़ जेल की कायापलट करने और कैदियों के व्यवहार में महत्वपूर्ण सुधार लाने का श्रेय दिया जाता है, जिसमें कैदियों के लिए योग और ध्यान कार्यक्रम शुरू करना शामिल है, जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मेडिटेशन के निरन्तर अभ्यास और जीवन में मूल्यों को धारण करने से कैदियों में महत्वपूर्ण बदलाव देखे गए। कैदियों ने नियमित रूप से आध्यात्मिक कक्षाओं में भाग लिया। मेडिटेशन के अभ्यास के लिए ब्रह्माकुमारियों के लिए अलग से ध्यान कक्ष की व्यवस्था की गई। ब्रह्माकुमारियों ने कैदियों के लिए मूल्य शिक्षा की भी शुरूआत की ताकि अपनी नॉलेज को बढ़ा कर वे बाहर की दुनिया में एक बेहतर जिन्दगी जी सके। उन्होंने हजारों कैदियों के लिए राखी को मनाने के लिए भी विशेष प्रोग्रामों का आयोजन किया। इस पवित्र पर्व पर बीके बहनें उन्हें अपनी नकारात्मकता को छोड़ने के लिए प्रेरित करतीं और परम पिता परमात्मा के आगे कम से कम एक बुराई छोड़ने का प्रण दिलवाती। फिर एक दिन, एक मित्र ने कहा, चलो तुम्हें शान्ति दिलवाते और वह मुझको जेल में चल रहे ओमशान्ति के कार्यक्रम में ले गया जहाँ ब्रह्माकुमारी बहनों ने बताया कि तुम इस शरीर को चलाने वाली दिव्य प्रकाश स्वरूप चैतन्य आत्मा हो। यह शरीर नश्वर है। इसके बाद 10 मिनट का योगाभ्यास करवाया। योग से शांति का ऐसा अनुभव हुआ जो पहले कभी नहीं हुआ था। मैं खुशी के मारे मन ही मन सोचने लगा कि परमात्मा मुझे मिलने जेल में भी आ गया। फिर ज्ञान का साप्ताहिक कोर्स पूरा करके मुरली पढ़ना शुरू किया। ब्रह्माकुमारी बहनों के निरंतर प्रयास से हम कई कैदी भाई अब रोज राजयोग का अभ्यास करते हैं और मुरली पढ़ते हैं। अब मेरे मन से निकलता है, शुक्रिया बाबा। अब मुझे सच्चा रास्ता मिल गया है। मेरा क्रोध कम हो गया है और ईश्वरीय ज्ञान का ही नशा चढ़ा रहता है परिवार वाले भी मेरे में हुए परिवर्तन को देख बहुत खुश हैं। बाबा ने मेरी सारी पीड़ाएँ हर ली हैं। मैं धीरे-धीरे सभी बंधनों से मुक्त होता जा रहा हूँ। अब तो सिर्फ एक ही कामना है, जैसे मेरा भला हुआ है, ऐसे ही सबका हो, सब के विकार दूर हो, सभी बंधनों से मुक्त हों, राजयोग की शिक्षा सबको मिले। इस ईश्वरीय कार्य में तन-मन-धन से अपने आपको समर्पित करने के लिए मैं तैयार हूँ।

तिहाड़ जेल में बंदियों और बीके सदस्यों के साथ एआईजी राजकुमार शिविर में भाग लेते हुए

» **राजकुमार,** एआईजी, केंद्रीय जेल तिहाड़, दिल्ली

बंदियों को सुसंस्कृत करने का संकल्प पूर्व आईपीएस किरण बेदी के सहयोग से हुआः बीके शुक्ला

नियमित सत्संग और आध्यात्मिक ज्ञान से जीवन को मिली नई दिशा

शिवआमंत्रण » तिहाड़ जेल/दिल्ली। हरीनगर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र के आस-पास तथा दूर दराज क्षेत्रों में सेवाओं का विस्तार बढ़ रहा था परन्तु पास में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद कैदियों के लिए मेरे मन में संकल्प चलते थे कि इन आत्माओं का उद्धार कैसे होगा? मुझे इनकी सेवा करनी है। भगवान अपने हर बच्चे का उद्धार करने आए हैं तो इन आत्माओं को भी भगवान का संदेश मिलना चाहिए। एक कहावत है-‘‘जहां चाह वहां राह’।

संयोगवश उन्हीं दिनों वर्ष 1986 में तिहाड़ जेल की पूर्व आईजी आईपीएस किरण बेदी की सोच थी कि मुझे ब्रिटिश साम्राज्य से चली आ रही पद्धति ‘‘दण्ड के भय द्वारा कैदियों को कंट्रोल करना’ को बदलना है और मानवीय मूल्यों द्वारा उनका आन्तरिक सुधार करना है। उन्होनें इसके लिए अपने कर्मचारियों से पूछा कि इन कैदियों के सुधार के लिए, खासकर इन्हें मानसिक तौर पर स्वस्थ एवं जागरूक बनाने के लिए कौन सी संस्था बेहतर कार्य कर सकती है? समय की नियती अनुसार मुझे इस सेवा के बारे में पता चला तो मुझे लगा कि मेरा संकल्प फलीभूत हो गया है। बहन किरण बेदी से मिलकर मैंने कहा कि जो आपके संकल्प हैं वही मेरे भी संकल्प हैं कि इन कैदियों का मानसिक सुधार करना है। तब उन्होनें कहा कि हम आपको ढूंढ रहे थे। हम दोनों मिलकर इनके संस्कार परिवर्तन की दीपक रूपी लो जगाएंगे। कैदियों को सुसंस्कृत करने में मेरी और किरण बेदी जी का संकल्प सिद्ध हुआ। तब हमने नियमित रूप से जेल में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की ओर से राजयोग शिक्षा का शिविर तिहाड़ जेल के अंदर परमात्मा पिता के सहयोग से आरंभ कर दिया। साथ में अनेक कैदियों के साथ जेल के अधिकारी, कर्मचारी और बीके भाई बहनों के सहायोग से राजयोग सीखाने का कार्यक्रम तीव्रता से प्रारंभ हुई। तभी मुझे आश्चर्य चकित कर देने वाला परिवर्तन दिखाई दिया। जहां अनेक दुखी अशांत कैदियों को जीवन बदलने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। आज उनमें से कई जेल से बाहर आकर समाज में सम्मानित जीवन जी रहे है। कई तो अपने घरों में भी ईश्वरीय पाठशाला खोल समाजिक सेवाओं में खुशी से जीवन गुजार रहे हैं। अभी तक राखी के त्यौहार पर प्रतिवर्ष अनेकों कैदियों को तिहाड़ जेल में फल और मिठाई की सौगात देकर राखी बांधी जाती है ताकि उस दिन उन्हें रिश्तों की, बहनों की ओर से स्नेह-दुलार की अनुभूति मिले, उनके बदले में उनसे बुराईयों व कमजोरियों को त्यागने का प्रतिज्ञा पत्र दान में लिया जाता है।

» **बीके शुक्ला,** संेटर इंचार्ज हरिनगर (दिल्ली)

तिहाड़ जेल में वर्ष 1986 के एक कार्यक्रम के दौरान आईपीएस किरण वेदी एंव बीके शुक्ला

संपादकीय

योग और राजयोग से मिटता शरीर का रोग

योग भारत की प्राचीन पद्धति रही है। इससे सैकड़ों सालों तक योगियों, ऋषियों, महर्षियों ने अपने जीवन को जीया है। परन्तु बदलते समय के कारण सुषुप्तावस्था में जाने के कारण मनुष्य की जीवनशैली बदली और मानव मन और तन की बीमारियों का घर बन गया। आधुनिक विज्ञान के युग में तमाम उपायों के बावजूद मनुष्य स्वास्थ्य का गिरता स्तर चिंताजनक हो गया है। इसलिए अब पुनः लोग योग और राजयोग की ओर वापस लौटने लगे हैं। यही कारण है कि कुछ वर्षों में तेजी से लोगों का रुझान योग की ओर बढ़ा है। केवल बढ़ा ही नहीं बल्कि इससे शरीर के रोगों को रोकने में सफलता भी मिली है। संयुक्त राष्ट् संघ द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित होने के बाद तो पूरी दुनिया में योग की क्रांति आ गयी है। यदि आप सुबह-सुबह बगीचों, पार्कों में लोग टहलते और योग करते सहज ही मिल जायेंगे। परन्तु अब जरूरत है कि परिवार में समाज में इससे एक जीवन का हिस्सा बना दिया जाये जिससे कि एक अच्छा और स्वस्थ समाज बन सके।

बोध कथा जीवन की सीख

हार निश्चित हो तो भी प्रयत्नों के बल पर जीत पक्की की जा सकती है

बहुत समय पहले दो राज्यों के बीच सम्बन्ध इतने बिगड़ गए के स्थिति युद्ध की आ गई थी। वो दोनों राजा एक विख्यात योगी के पास पहुंचे। वह योगी जो कहता था वो सत्य होता था। पहला राजा जब उस योगी के पास पहुंचाकर पूछा कि युद्ध का परिणाम क्या होगा तो उस योगी ने कहा तुम्हारी हार निश्चित है, तुम्हारे भाग्य में हार ही लिखा है। दूसरा राजा जब पहुंचा उसने भी यही प्रश्न किया मेरा क्या होगा? उस योगी ने कहा तुम्हें चिंता करने की बात नहीं क्योंकि तुम्हारी जीत निश्चित है। जो पहला राजा था वह पहले थोड़ा दुखी हुआ और फिर उसने सोचा यदि मेरी हार ही निश्चित है तो क्यों न मैं सम्पूर्ण प्रयत्न करूँ? हारना तो निश्चित है परंतु जो कुछ मुझसे हो सकता है वो तो मैं प्रयत्न अवश्य कर ही सकता हूं। फिर वो तैयारी में लग गया। प्रयत्न में दिन रात एक कर दिया रातों की नींद छोड़ दी। और जो दूसरा राजा था जिसने ये सोच के ही रखा था कि जीत तो निश्चित है यह सोचकर वो स्थिल हो गया कि अब कुछ करने की आवश्यकता नहीं है। जब मेरी जीत ही निश्चित है तो फिर वो घमासान युद्ध हुआ जो दूसरा राजा था उसके घोड़े की नाल निकल गयी, मंत्री ने कहा इसे ठीक कर दूं परंतु उस राजा ने कहा क्या जरूरत है क्योंकि जीत तो हमारी निश्चित ही है। लड़ाई के मैदान में दोनों राजा आमने सामने आए भयानक युद्ध हुआ। जो दूसरा राजा था जो सोच रहा था मेरी जीत निश्चित है वो व्होदे से गिर पड़ा और हार गया भाग्य पलट गया और जो पहला राजा जिसके बारे कहा गया था कि हार निश्चित है वो जीत गया। पासा ही पलट गया वो दोनों फिर से पहुंचे उस योगी के पास, दूसरा राजा पूछता है मेरी तो जीत निश्चित थी फिर मैं हार क्यों गया? क्या भाग्य पलट सकता है? तो उस योगी ने कहा भाग्य तो नहीं पलटा लेकिन व्यक्ति बदल गए। क्योंकि पहला जो राजा था उसने हार स्वीकार नहीं किया उसे बता दिया गया था। लेकिन उसने उस हार को नहीं माना और कर्म को प्रधान माना इसलिए प्रयत्न लगा रहकर जीत गया। लेकिन दूसरा राजा अपनी जीत स्वीकार कर अपने भाग्य पर ही स्थिर हो गया कि जीत हमारी ही है इसलिए कोई प्रयत्न करने की आवश्यकता ही नहीं है इसलिए कर्म और पुरुषार्थ छोड़ को दिया इसलिए उसकी हार हुई।

संदेशः अगर हार निश्चित हो तो भी जीत सुनिश्चित किया जा सकता है क्योंकि सफलता हमारे मेहनत कर्म और प्रयत्नों पर निर्भर करता है न कि भाग्य पर। जीत निश्चित हो तो भी अगर प्रयत्न करने छोड़ दिए जाएं तो हार हो सकता है। इसलिए जीत पक्की के लिए संपूर्ण प्रयत्न करें।

मेरी कलम से

डॉ. पीसी राम मौर्य
भूतपूर्व निदेशक सीएएस व अध्यक्ष, जैव तकनीकी व फसल कार्यिकी विभाग, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौ.वि.वि. फैजाबाद

विद्यार्थियों के लिए राजयोग बहुत जरूरी

वर्तमान समय शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही कड़ी प्रतिस्पर्धा है। अध्ययन से लेकर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में बहुत प्रतिस्पर्धा है। आज का विद्यार्थी जीवन बहुत तनावग्रस्त, कुंठित और हताश दिखाई पड़ता है। इसका प्रमुख कारण मानसिक प्रदूषण जो इंटरनेट, वाट्सअप, फेसबुक पर ज्यादा से ज्यादा समय बिताने से मिलता है। हालांकि ये साधन अध्ययन में भी उपयोगी हो सकते हैं। परन्तु इस पर बहुत से विद्यार्थीगण कम ध्यान देकर इनके दुरूपयोग में फंस पड़ते हैं।

राजयोग एक ऐसी विधि है, जो हमें स्वयं की पहचान, परमात्मा की पहचान व परमात्मा से शक्तियों की प्राप्ति की विधि सिखलाता है। मन को शांत व एकाग्रचित्त करने में मदद करता है। एक सफल विद्यार्थी जीवन के लिए राजयोग का अभ्यास आवश्यक है। इससे स्मरण शक्ति, धारण शक्ति व बुद्धि को सही दिशा में मदद मिलती है।

शरीर भी निरोगी बनता है। आत्मा शुद्ध होती है। दुनियावी अनर्गल व्यर्थ बातों से बुद्धियोग हटता जाता है। और अपने लक्ष्य की तरफ केन्द्रित होता जाता है। एक एकाग्रचित्त शांत मन और बुद्धि ही मनुष्य को सफलता की तरफ ले जा सकती है। इसके अभ्यास से विद्यार्थीगण अध्ययन को बोझा न समझ एक सुन्दर खेल समझ आनंदपूर्वक आगे बढ़ सकते हैं।

राजयोग प्रतिदिन की दिनचर्या को नियमित व संयमित करने में भी सहयोग देता है। जिससे मनुष्य की कार्य कुशलता बढ़ती जाती है। परिवार व समाजिक जीवन भी बहुत सुखदायी बनता जाता है। शिक्षकों के लिए भी शांत, तनाव रहित मन प्रखर बुद्धि को जन्म देता है। उन्हें सर्व के प्रति आत्मिक भाव रखने में राजयोग मदद करता है।

एक हंसमुख चेहरा प्रसन्नचित्त अभिव्यक्ति विद्यार्थीयों को आकर्षित करती है। लौकिक कार्य क्षेत्र में भी किसी से प्रतिस्पर्धात्मक दृष्टिकोण न रख सहयोगी बनने में सहायक होता है। किसी की त्रुटियों के लिए उसे सहज क्षमा प्रदान कर सकता है। और स्वयं की कमियों व त्रुटियों के लिए सहज ही क्षमा याचना कर तनावमुक्त, अचल-अडोल बन सकता है। मैं सर्वजनों से अपेक्षा रखता हूं कि वे राजयोग के नियमित अभ्यास से अपने जीवन को सुखी व खुशहाल बनावें तथा समाज को भी एक समृद्ध और सर्वगुण संपन्न बनाने में सहयोग बनें।

कर्म और पुरुषार्थ भाग्य लिखने का कलम

अब हमें अपने जीवन में एक क्षण रुक कर आत्मविश्लेषण करने की जरूरत है, बाहर से डिस्कनेक्ट होकर अंतर मन में देखने की जरूरत है। जीवन के इस अनंत यात्रा में स्वयं को देखें कहीं सो तो नहीं रहा हूं या जाग रहा हूं? किस ओर भाग रहा हूं? बचपन में क्या स्वप्न संजोए थे? कहीं जीवन की यात्रा में भटक तो नहीं गया हूं? चेक करें।

आध्यात्म की नई उड़ान...

डॉ. सचिन]
मेडिटेशन एक्सपर्ट

सदियों से मनुष्य के मन में एक प्रश्न सदैव रहा है कि भाग्य श्रेष्ठ या पुरुषार्थ श्रेष्ठ। अपनी कमजोरी के लिए मनुष्य ने हमेशा दूसरों को दोषी ठहराया है। ये सोचना की सब कुछ भाग्य से हो रहा है तो वह अपने दायित्व से मुक्त होना चाहता है। यदि वह कार्ल मार्क्स का फॉलोवर है तो कहेगा समाज जिम्मेवार है, यदि वो सिग्मंड फ्रायड का फॉलोवर है तो कहेगा अवचेतन मन रिस्पॉन्सिबल है, यदि वो धार्मिक व्यक्ति है तो कहता है ईश्वर करा रहा है, अपनी रिस्पांसिबिलिटी कहीं शिफ्ट कर देता है, यदि वो कर्म सिद्धान्त को मानने वाला है तो कर्म-सिद्धांत पर छोड़ देता है परंतु यह समझना कि हम सब भाग्य की कठपुतलियां है तो फिर हमारे हाथ में क्या है? हम हैं ही किस लिए फिर? हम कर ही क्या रहे हैं? यदि हमारे हाथ में कुछ नहीं है तो। यदि पहले से ही सब कुछ लिखा हुआ होता तो कर्म पुरूषार्थ की चिंता ही नहीं होती। यदि पहले से कुछ लिखा हुआ नहीं है तब यह निश्चित है कि अपना भाग्य हम हर दिन लिख रहे हैं। क्योंकि कर्म और पुरूषार्थ रूपी कलम हमारे हाथ में है। यदि भाग्य हमारे हाथ में नहीं है तब तो हार निश्चित ही है। इसलिए ना कोई व्यक्ति समाज में हमारे भाग्य के साथ बैठा हुआ है और न ही कोई ईश्वर यह सब कुछ कर रहा है। यदि हम कहें ईश्वर करता कराता है तो दुख मिला तो वो फिर दुःखदायी हुआ। मेरे जीवन में जो कुछ भी हो रहा है उसका जिम्मेदार कौन है? जैसे मेरे सम्बन्ध हैं, जो मेरा अतीत है जो भी वर्तमान स्थिति है दुःख है, दर्द है, पीड़ा है, आवेग है, खुशी है, चेतना की जो स्थिति है वो किसने निर्माण की है किसी और ने या मैंने स्वयं किया है? यदि इतना भी आभास हो जाये तो जीवन की दिशा और दशा बदल जाएगी।

हमें कुछ नहीं मालूम कि हम कहां भाग रहे

स्वयं को देखना है कहां मैं भाग रहा हूं किस ओर और क्यों, किसलिए, क्या जीवन का लक्ष्य है? यह जो भी बातें आपको बताई जा रही है ज़रूरी नहीं कि आप उन्हें मान ही लो। स्वामी विवेकानन्द ने कहा है कि कुछ भी स्वीकार नहीं करो क्योंकि यह ग्रंथों में लिखा गया है, क्योंकि आप ने ये कहीं से सुना है, क्योंकि यह कहीं से लिखा गया है या फिर यह परंपरा से चल रहा है। ऐसा कुछ भी स्वीकार नहीं करना है। जिसको जो बोलना है बोलने दो परन्तु हम गहराई से उस पर सोचेंगे, मनन करेंगे, चिंतन करेंगे, विश्लेषण करेंगे अपने जीवन से तुलना करेंगें। सत्य को खुद खोजेंगें। आज हम ये देखेंगें की ये जो भाग्य है, ये जो नियति है, ये जो तकदीर है ये हमारे हाथ में हमारी मुट्ठी में कैसे आ जाए? हम अपने जीवन को क्या करें कि उस दिशा में ले जाये जो सही हो। अब तक तो भाग रहे हैं, भाग रहे ही हैं। कुछ ना मालूम की कहां भाग रहे हैं परंतु भागे जा रहे है।

तुम्हें तो वहां जाना चाहिए जहां भूमि सस्ती है

एक कहानी मुझे याद आ रही है। सन् 1886 लियो टॉलस्टॉय रुस्सियन नाम के लेखक का कहानी का शीर्षक है 'एक व्यक्ति को कितने जमीन की आवयश्कता है' उसमें दिखाया है एक व्यक्ति है जिसका नाम पाहोम है। वह गरीब किसान है जिसके पास भूमि का छोटा-सा टुकड़ा है। एक दिन एक सन्यासी उसके पास आकर कहता है कि तुम यहां क्या कर रहे हो? तुम्हें तो वहां जाना चाहिए जहां भूमि बहुत सस्ती है। तुम वहां क्यों नही जाते? वो कहता अच्छा जाऊंगा और फिर वो रात भर सो नहीं पाता है। सुबह निर्णय लेता है कि मैं अपना ये छोटा सा जमीन का टुकड़ा बेच कर वहां जाऊंगा और वहां जाकर लोगों से पूछता है कि यहां भूमि के क्या भाव हैं। वे लोग कहते हैं कि यहां तो जमीन फ्री है लेकिन केवल एक शर्त है और वो शर्त है सुबह से लेकर शाम तक तुम्हें भागना है। जितना भागोगे वो सारी जमीन तुम्हारी होगी। वो कहता है अच्छा, फिर रात भर सो नहीं पता, करवटें बदलता रहता है, सुबह उठता है। जहां सारा गांव एकत्र है और वो भागना शुरू करता है। इतना तेज भागता है कि सोचता है जितना भागूंगा उतनी भूमि मेरी होगी।

जमीन के पीछे अपनी जान खत्म किया

भागते-भागते उसे प्यास लगती है और फिर सोचता है पानी पीने के लिए अगर रुक गया तो भूमि कम हो जाएगी। पानी की बोतल फेंक देता है और भागता रहता है, हांफता है फिर भूख लगती है और सोचता है अगर खाने के लिए रुक गया तो जमीन कम हो जाएगी। इसलिए खाना भी फेंक देता है, और भागता है, दोपहर हो जाती है ऊपर देखता है, सूरज सिर पर है और सोचता है अब वापिस भी तो जाना है क्योंकि शाम तक वापिस आना है परंतु सोचता है थोड़ा और भाग लूं, दो बज जाते हैं, सोचता है अब तो वापिस जाना ही चाहिए परंतु सामने की जमीन कुछ ज्यादा ही हरी दिखाई दे रही है। सोचता है थोड़ा ओर भाग लूं और भागता है फिर एक समय ऐसा आता है जब वह सोचता है अब अगर वापिस नहीं लौटा तो जमीन तो सब चली जायगी। फिर लौटना चालू करता है और उधर सुर्यास्त हो रहा होता है, तेजी से भागता-हांफता हुआ उसे दूर गांव वाले नजर आ रहे हैं। सूर्यास्त हो रहा होता है और ज्यादा जोर से भागता है। इतना भागता है कि थोड़ा सा ही अंतर रह जाता है लेकिन वो धड़ाम से गिरता है और मर जाता है।

इंसान सत्य को भूल चूका है कि मैं कौन हूं

गांव वाले कहते है आज एक पागल फिर से मर गया। अब सोचिये कहीं वो मैं तो नहीं जो भाग रहा है। कोई आवाज पीछे से पुकार रही है कहती है रुको आ जाओ वापिस। थोड़ी सी जमीन और ले लूं। एक प्लाट और, एक बंगला और, एक गाड़ी और, ये पोस्ट अच्छी है, वहां चला जाऊं और थोड़ा ले लूं, और थोड़ा-थोड़ा करते-करते हथौड़ा काल का एक दिन आ ही जाता है। तृप्ति नहीं है। जीवन की अनंत यात्रा में मैं कहां भाग रहा हूं, किस ओर भाग रहा हूं, क्यों भाग रहा हूं, किस दिशा में भाग रहा हूं? अब तक जो मिला, क्या मिला? मैं क्या करूं? जीवन के वो कई प्रश्नों ने मुझे जकड़ रखा है जिसकी वजह से सत्य भूल चूका हूं कि मैं हूं कौन? कहां से आया हूं? मुझे करना क्या है? किस लिए आया हूं? क्या यही जीवन का लक्ष्य है? ये घर, बंगला, सम्पति, परिवार, मित्र, सम्बंधी, सोशल मीडिया क्या यही जीवन है? क्या इसके अतिरिक्त भी जीवन का कोई लक्ष्य है? कही ऐसा तो नहीं जब प्राण तन से निकले तब ऐसा लगे कि मैं रिक्त जा रहा हूं।

प्रेरक विचार Spiritual THOUGHTS

संत कबीर दास, कवि

"जब मैं इस संसार में बुराई खोजने चला तो मुझे कोई बुरा न मिला। जब मैंने अपने मन को झांक कर देखा तो पाया कि मुझसे बुरा कोई नहीं"

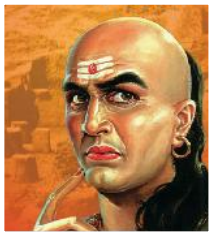

आचार्य चाणक्य, शास्त्र नीति पंडित

"जो बीत गया, सो बीत गया। अपने हाथ से कोई गलत काम हो गया हो तो उसकी चिंता छोड़ते हुए वर्तमान को सही तरीके से जीकर भविष्य को संवारना चाहिए"

बी.के. शिवानी
जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ
अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज़ की टीवी ऑइकॉन, गुरुग्राम, हरियाणा

जीवन प्रबंधन

सुबह उठते ही पहला विचार पावरफुल और सकारात्मक हो

सुबह-सुबह हमारा जैसा संकल्प होगा वैसा ही संकल्प हमारा सारा दिन चलता रहेगा इसलिए पहला विचार हमारे पावरफुल एवं सकारात्मक होना चाहिए

शिव आमंत्रण आबू रोड। कभी भी ऐसा कहने की आदत नहीं होनी चाहिए कि 'मैं कोशिश करूंगा' परमात्मा कहते सिर्फ हां जी करो। जब आपका बच्चा आपको किसी चीज के लिए हां जी करता है तो उसको क्या मिलता है? माता-पिता भी तो बच्चों को कितनी राय देते है ना! बहुत सारी राय में तो बच्चे आधा सुनने पर ही क्या कह देते? एक तो कहते टाइम नहीं है या इंटरेस्ट नहीं है और हो नहीं सकता। लेकिन अगर मां-बाप ने राय दी और बच्चे ने हां जी किया तो मां बाप से बच्चे को क्या मिलता है? दुआएं, ब्लेसिंग्स। ये वो चीज है जो असंभव को संभव करती है। दुआएं वो चीज है जो बड़े से बड़े विघ्न को खत्म करती है, ये वो चीज है जो भाग्य को बदल सकती है।

सकारात्मक होकर हां जी का पाठ पक्का करना है

ये तो मनुष्य आत्माओं की ब्लेसिंग्स है जब परमात्मा की ब्लेसिंग्स मिलेंगी तो सोचो क्या हो जाएगा! तो हम भी अब एक कदम हिमत का उठाते है वो एक कदम हां जी करने का है। तो अब ऑफिस में नो एंगर जोन घोषित करेंगे। हां जी, रोज सुबह अपने लिए एक घंटा निकालेंगे। हां जी, रोज मेडिटेशन करेंगे, सेन्टर पर जाकर ज्ञान सुनेंगे, सात्विक जीवन जिएंगे। जिसको व्हाइट सर्कल चाहिए वो कोई भी ब्लैक चीज नहीं आने दे सकता। धन जो आया वो दुआओं से तो अन्न भी जो खाया वो भी सात्विक। क्योंकि हम अपने डार्क सर्किल से लाइट सर्किल की तरफ जा रहे हैं। अगर हमने कुछ भी ऐसा खाया-पिया जिसके प्रकंपन डार्क हैं तो ज्यादा मेहनत साथ रिजल्ट धीमा दिखेगा। लेकिन अगर हमने अपनी खाने-पीने की चीजों को सात्विक किया। ये परहेज होता है यह नियम नहीं होता है कि बार-बार हम कहें की ये बड़े नियम हैं ये मत करो वो मत करो, ये नियम नहीं हैं। ये हमारे फायदे के लिए नियम हैं। जैसे कोई कोई डॉक्टर इलाज करता है तो वो क्या करता है? दवा देता और परहेज बताता है। तो ज्ञान जो है वो दवा है ज्ञान को लेना शुरू किया तो दवा लेनी रोज शुरू की। साथ में परहेज है, कुछ परहेज करते हैं हम कुछ नहीं करते लेकिन हम सबको पता है कि दवा के साथ अगर परहेज भी शुरू कर दिया तो इलाज जल्दी होगा। सिर्फ एक महीने का एक्सपेरीमेंट करके देखिएगा।

पहले एक्सपेरीमेंट उसके बाद एक्सपीरियंस करें

आप हां जी भी तीन महीने तक अपने आपको और परमात्मा को कीजिए, जीवनभर के लिए हां जी नहीं करनी है, ऐसे ही नहीं मानना कोई बात। हमेशा एक्सपेरीमेंट उसके बाद एक्सपीरियंस। फिर जीवनभर के लिए कहना हां जी पहले तो सिर्फ तीन महीने के लिए हां जी कहना है। तो तीन महीने के लिए हम रोज जल्दी उठेंगे, मेडिटेशन करेंगे, सात्विक अन्न खाएंगे और सात्विक चीजें ही पियेंगे। क्यों ऐसी चीज खाएं और पियें जिससे एनर्जी डाउन होती हो। तो सात्विक धन, सात्विक अन्न तो सात्विक मन ज्ञान से। अगर आप को कहा जाए कि फ़ोन नहीं यूज़ करना तो हो सकेगा कि सारा दिन फ़ोन न यूज़ करें। फ़ोन क्यों हमारा नुकसान कर रहा है इस टाइम वो फ़ोन नहीं कर रहा है लेकिन सारा दिन उसमें से हम जो पढ़ रहे हैं जो सीन देख रहे हैं। फ़ोन को फ़ोन की तरह यूज़ करना था लेकिन आज वो फोन क्या बन गया इन्फॉर्मेशन का सोर्स और इन्फार्मेशन की क्वालिटी भी कैसी है? जो हम पढ़ेंगे, देखेंगे, सुनेंगे वैसा हम बनेंगे ये लॉ है। तो सारा दिन जो फोन पर इन्फार्मेशन आ रही है तो वही देखना, पढ़ना, सुनना जैसा हम बनना चाहते है बाकी सब चीजों को बिना देखें डिलीट कर देना है।

जो सुनेंगे, पढ़ेंगे, देखेंगे वैसे ही हम बनेंगे

कई बार जब आप ऑफिस में ज्ञान सुनाने लगते हो तो आपके टेबल पर थोड़े कम लोग होंगे पहले कहेंगे ये क्या, इसके पास जब जाओ ये तो आत्मा हूं आत्मा हूं सुनाने लग जाता है। आज कल तो जीवन के टेस्ट बदल चुके है। अगर इनको ये सुनाओ उधर ये हो रहा है उसके घर में ये हो रहा है तो उस समय नहीं याद रहेगा। काम भी करना है टाइम मैनेजमेंट भी करना है उस तरह की बातों को लिए टेस्ट बढ़ गया है तो अब वो बातें लोगों से नहीं फ़ोन से मिल रही है। तो आज गॉसिप करने के लिए भी लोगो की जरूरत नहीं है। हमें सारा दिन गॉसिप्स ऑनलाइन मिल रहा है। सोंचो दिन की शुरुआत अगर गॉसिप सुन कर करें तो कहते है ना सुबह-सुबह किसका चेहरा देखा था तो हम आजकल इसका चेहरा देखते है इसलिए कहा सुबह-सुबह वो सुनना पढ़ना नहीं। वही अगर चेंज करके सुबह-सुबह सबसे परमात्मा का ज्ञान सुना तो जो सुनेंगे, पढ़ेंगे, देखेंगे वैसे हम बनेंगें। तो अब ये बैलेंस लाइफ में लाने के लिए लाइफ क्या है लाइफ मतलब एनर्जी आत्मा जब ये लाइफ निकल जाती है तो फिर ये शरीर रह जाता है तो जब वो लाइफ के बीच में बैलेंस आएगा तो बाहर तो सब कुछ ठीक हो जाएगा।

उठते ही परमात्मा को गुड मार्निंग करें...

दिन की अच्छी शुरुआत के लिए सुबह का पहला संकल्प क्या होना चाहिए? अगर पहला संकल्प श्रेष्ठ होगा तभी दूसरा भी श्रेष्ठ होगा। संकल्प अगर कमजोर हुआ तो पूरा दिन ही ऐसे चला जायेगा तो पहला संकल्प क्या होना चाहिए? सबसे पहले जो हम करते हैं वो परमात्मा को गुड मॉर्निंग। जब मैं शुरू शुरू में सेन्टर पर आई मैंने सोचा ये बड़ा विचित्र है सुबह-सुबह गुड मॉर्निंग गॉड कौन बोलता है? फिर इसका कारण जानने की कोशिश की जिसको जानने में सालों लग गए। जिसको सबसे पहले याद किया उसके मन की स्थिति के साथ मेरी स्थिति जुड जाएगी। जिसको हम याद करते है उसके साथ हमारे मन की स्थिति जुड़ जाती है और जो उसके मन में होगा उसके प्रकंपन हमें इफ़ेक्ट करता है। बच्चे को कोई प्रॉब्लम होती है तो घर पे माँ कहती है कुछ तो प्रॉब्लम हुई है कैसे पता चला? क्योंकि मां बच्चे को याद कर रही थी बच्चे का मन परेशान हुए और वो परेशानी मां के पास डाउनलोड हो गई। अगर दुनिया के लोगों को याद करते हैं तो परेशान हैं हम भी परेशानी के प्रकंपन कैच करेंगें कोई नाराज है तो नाराजगी के प्रकंपन कैच करेंगे अगर सर्व शक्तिवान शांति के सागर को कैच करेंगे तो क्या डाउनलोड हो जाएगा तो उसकी फर्स्ट थॉट उसके साथ कनेक्ट करिए इसलिए बचपन में सिखाया था सबसे पहली चीज उठके बड़ों को नमस्ते, मतलब दुआ ले ली सुबह-सुबह सब से तो बड़ों को भी नमस्ते करने से पहले उसको नमस्ते जिसको बड़े भी नमस्ते करते है।

ऑफिस में नो एंगर जोन क्रियेट करने के लिए घर से नो एंगर होकर निकलना पड़ेगा...

पूरा परिवार सबसे पहले उससे कनेक्ट हो तो घर का वातावरण चेंज हो जाएगा। आज हम क्या करते है व्हाट्सएप पे सबको गुडमार्निंग भेजते हैं, गुडमार्निंग पोस्टर इधर से आता है फिर हम फटाफट सबको इसे फॉरवर्ड करते हैं। तो सबको गुडमार्निंग करने से पहले उसको गुडमार्निंग। इसके बाद दूसरा संकल्प क्या होगा? जो परिवर्तन आने अंदर लाना चाहते है जैसे अगर हम सोचते बैंक कि ऑफिस में नो एंगर जोन क्रिएट करना है तो इसके लिए घर से भी तो नो एंगर होकर ही निकलना पड़ेगा। इसलिए तो सुबह का पहला संकल्प गुडमार्निंग, दूसरा संकल्प में शांत स्वरूप आत्मा हूं। मुझे आज शांत रहना है ये नहीं मैं शांत स्वरूप हूं। संकल्प से सृष्टि बनती है। तो शांत स्वरूप हूं का संकल्प करने से शांत स्वरूप बन जाएंगे।

ईश्वरानुभूति का नया माध्यम मेडेटोरियम .360 डोम थिएटर

फिल्म निर्माण और एनीमेशन सबसे रचनात्मक प्लेटफार्म मुहैय्या कराया है जहॉ मानव कल्पना सभी अवरोधों को पार करती है और रोमांचक एवं अद्भुत अनुभूति कराती है। गॉड्लीवुड स्टूडियो हमेशा दर्शकों के लिए विविध कार्यक्र म प्रदान करने के साथ मीडिया के माध्यम से मानवता की सेवा करने की सभी संभावनाओं को तलाशने के लिए अनुसंधान और विकास का पूरा प्रयोग कर रहा है। डोम थिएटर चीजों को देखने और दिखाने का एक नया माध्यम है। जहाँ 360 डिग्री इमर्सिव वीआर एक्सपीरियंस द्वारा सोशल एक्टिविटी को साझा किया हैए जो कि एक व्यक्तिगत कार्य से कई बढ़कर है। इससे कोई भी दृश्य दोगुना जादुई अनुभव होता है क्योंकि आप अपने लोगों के साथ निकट बैठ सकते हैं और जहां चाहें यात्रा कर सकते हैं एक अविश्वसनीय रूप से बड़े पैमाने पर 360 एक्सपीरियंस वीआर इमर्सिव का आनंद ले सकते है। प्रयोगात्मक रूप से मेडिटोरियम नाम के प्रस्तावित डोम थिएटर को दर्शकों के लिए एक गहन शांति का अनुभव कराने के लिए ब्रह्माकुमारीज के शांतिवन परिसर में रखा जाएगा। गॉडलीवुड स्टूडियो ने डोम के लिए एक 360 एनिमेटेड वीडियो बनाया है जो ध्यान करने की नीव होंगी। जिसका दर्शक डोम के अन्दर बैठकर आनंद लेंगे। ये अपने आप में अनोखा होगा क्योंकि वर्तमान में भारत में बहुत कम ऐसे डोम थिएटर हैं।

बीके हरीलाल, कार्यकारी निदेशक, गॉडलीवुड स्टूडियो, मनमोहिनीवन (राजस्थान)

डॉ. अजय शुक्ला | बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड
डायरेक्टर (स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

सामाजिक संदर्भ में चेतन, अवचेतन, अचेतन मन

जीवन का मनोविज्ञान- 13

जीवन के नैसर्गिक विकास में चेतना का चिंतनशील विकसित स्वरूप अपनी उच्च संवेदनशील स्थितियों से सदा मददगार होता है। जब व्यक्ति कर्मेन्द्रियों के द्वारा अच्छा बोलना, सुनना, देखना, सोचना एवं कर्म करने में महानता को प्राप्त कर लेता है तब चेतन, अवचेतन एवं अचेतन मन का सकारात्मक सह संबंध सामाजिक संदर्भ में स्पष्ट होता है। व्यक्तिगत स्तर पर मन स्थिति में होने वाले बदलाव को चेतन मन द्वारा अनुभव किया जाता है तथा इसका समर्थन अथवा विरोध अवचेतन मन से दर्ज भी हो जाता है लेकिन अंतिम निर्णय अचेतन मन, जागृत आत्मा के लिए जीवन दर्शन के रूप में करता है। जीवन की सतोप्रधानता अचेतन मन से देवत्व के जुड़ाव को जीवंत मानकर पुरुषार्थ करती है तो अवचेतन मन को सात्विक चेतना से संस्कारगत स्वरूप में श्रेष्ठता का बोध होने लगता है। व्यक्ति द्वारा आत्म मूल्यांकन की स्थिति जब अतीत, आगत एवं अनंत में पूर्ण पवित्रता की अनुभूति से आनंददायी हो जाती है, तब चेतन मन की समृद्धशाली अवस्था स्वतः ही प्रकाशवान होती है।

मानव उत्थान हेतु लक्ष्य, उमंग और जीवन दर्शन

स्वयं के विकास में अपने जीवन का लक्ष्य बनाना होता है तथा जब व्यक्ति सम्पूर्ण बनने के प्रसंग में स्वयं के भीतर श्रेष्ठ लक्षण को धारण कर लेता है तब बाह्य जगत की ओर से संतुष्टिजनक वक्तव्य मुखरित होते हैं। मानव के उत्थान हेतु उमंग उत्साह की भरपूरता व्यक्ति को जीवन लक्ष्य के प्रति दार्शनिक भाव से सदा संतुष्ट कर देती है और वह समर्पित स्थिति के साथ स्वयं को कार्यकुशल बनाता है । एक व्यक्ति जब अपनी शक्ति एवं गुणों की विवेचना को आत्मिक संदर्भ में देखने का प्रयास करता है तब उसे जीवन दर्शन की वास्तविकता व्यावहारिक रूप में स्वीकार्य होती है। सामाजिक उत्थान के लिए जीवन जीने वाला मनुष्य स्वयं के जीवन को प्रासंगिक बनाकर जीवन दर्शन के यथार्थ को मानवता के कल्याण में लगा देता है जो उसकी जीत का प्रमाण है। व्यक्तिगत जीवन की उपयोगिता का विश्लेषण निःस्वार्थता की पृष्ठभूमि में होने से अंततः वह मानव उत्थान का महत्वपूर्ण कारक बनता है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से सकारात्मक, समर्थ तथा महान चिंतन

जीवन में समदृष्टि की प्राप्ति होना व्यक्ति के लिए वरदान का व्यावहारिक स्वरूप है जो मानवीय चिंतन की धारा को कल्याणकारी बनाने में सहायक है। किसी व्यक्ति के लिए मनोवैज्ञानिक परिवेश से जुड़ा दृष्टिकोण उस समय विशिष्ट होता है जब व्यक्तिगत जीवन का परिदृश्य सकारात्मक , समर्थ एवं महान चिंतन के परिप्रेक्ष्य में कार्य करने लगता है। सकारात्मक चिंतन करना वर्तमान युग में दुर्लभ हो गया है और इस दिशा की ओर बढ़ने वाले मनुष्य अत्यधिक मूल्यपरक स्वरूप में परिलक्षित होते हैं। जीवन में किसी व्यक्ति के द्वारा समर्थ चिंतन की स्थितियां उत्पन्न होना और उसे अंगीकार कर लेना आत्मा की शक्तिशाली स्थिति का सुखद परिणाम है। स्वयं के जीवन से इतिहास रचने वाले व्यक्तियों ने अपने चिंतन को सकारात्मक से आरंभ करके सर्वप्रथम समर्थ चिंतन को आत्मसात किया, जिसके बल से महान चिंतन की पराकाष्ठा तक पहुँचकर मानवता को गौरवान्वित किया है।

व्यावहारिक जीवन द्वारा श्रेष्ठ, शुभ एवं पवित्र विचार

स्वयं के जीवन को श्रेष्ठ बनाने की इच्छा शक्ति मन में संजोकर पुरुषार्थ करने में संलग्न आत्माओं ने ईमानदारी से व्यावहारिक जीवन में उपलब्धि अर्जित कर ली है। जीवन में खुशबू को पवित्रता से भर देने की अभिलाषा आज भी मनुष्य के लिए चुनौती का विषय है। स्वयं के व्यावहारिक जीवन में श्रेष्ठ विचार के प्रति निष्ठा रखकर उसका अनुकरण करना सदाचार का सम्मान है जो मानव को श्रेष्ठता से भरपूर करता है। जीवन के अनुक्रम में शुभ कार्य की मंसा व्यक्ति को वाणी से शीतल करती है तथा व्यक्ति शुभ विचार के प्रति निष्ठावान हो जाता है। स्वयं को आत्मिक स्थिति में स्थापित करके व्यक्ति बहुमूल्य जीवन की व्यावहारिकता से श्रेष्ठ, शुभ, पवित्र विचार का बीजारोपण करके आत्म तत्व को सदा के लिए सम्मानित करता है ।

जीवन के परिमार्जन में आत्म तत्व का पुरुषार्थ

मानव जीवन के उत्थान में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है ताकि व्यावहारिक मनः स्थिति को उपयोगी बनाया जा सके। व्यक्तिगत उन्नति के लिए एवं स्वयं के सम्पूर्ण विकास हेतु चेतन, अवचेतन एवं अचेतन मन के श्रेष्ठ सामंजस्य को स्वीकार करते हुए गतिशील रहना अनिवार्य है। मानव उत्थान हेतु जीवन में लक्ष्य के साथ उमंग-उत्साह को सदा बनाए रखते हुए जीवन दर्शन के प्रति निष्ठावान होना सात्विक विकास का प्रमाण है। जीवन के परिमार्जन में आत्म तत्व द्वारा पुरुषार्थ में पूर्णता की प्राप्ति व्यक्ति को सकारात्मक, समर्थ एवं महान चिंतन की स्थिति में परिवर्तित करती है । स्वयं के जीवन की व्यावहारिकता आत्मा से श्रेष्ठ विचार के साथ शुभ विचार को महत्व प्रदान करते हुए पवित्र विचार के सुखद परिणाम तक पहुंचा देती है ।

रियल लाइफ

...और कन्याओं के निश्चय को नहीं डिगा सके

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा

संस्थापक
प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

रियल लाइफ कॉलम में हम आपको प्रत्येक अंक में बताएंगे इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मार्ग में क्या बाधाएं आईं और उनका सामना ब्रह्मा बाबा ने कितनी सरलता से किया.... जीवन को पलटने वाली अद्भुत जीवन कहानी पुस्तक से क्रमश...

पिछले अंक में उपद्रवी के रूप में किया गया कोर्ट में शिकायत ओम मंडली के बारे में तो हाईकोर्ट पहले भी एक बार निर्णय दे चुकी हैं कि ये लोग शांति प्रिय हैं और समाज-सुधारक हैं। अब आगे...

किंतु कितना अन्याय है इस संसार में! हाईकोर्ट के इस निर्णय की ओर भी ध्यान न देते हुए, मंत्रीमंडल को बचाने के लिए न्याय का खून कर दिया गया और अंत तक ओम मंडली को यह भी न बताया गया कि ओम मंडली के विरूद्ध ट्रिब्यूनल में किस-किसने गवाही दी और उसने क्या-क्या कहा और कि ओम मंडली के विरूद्ध आरोप क्या है और उसका आधार तथा प्रमाण क्या है?

आखिर सिन्ध के मुख्यमंत्री तथा विधिमन्त्री ने अनौपचारिक रूप से सुझाव दिया कि 'ओम् मण्डली' के लिए पांच-छः बंगले पास-पास ले लिए जाएं, जहां पर कि वे कुछ समय के लिए अलग-अलग रहें। उन्होंने मौखिक आश्वासन दिया कि कुछ समय इस प्रकार करने से लोगों के अत्याचार और आन्दोलन बन्द हो जाएंगे और सरकार ओम् मण्डली के विरूद्ध कोई कदम नहीं उठायेगी। बाप अपने बच्चों के मन को खुश करने की कोशिश तो करता ही है अतः ऐसा ही किया गया। एक बंगले में बाबा और उसके साथ कुछ परिवार जोकि उनके लौकिक रिश्तेदार भी रहते थे। एक बंगले में छोटे बच्चे रहते थे जो कि लौकिक शिक्षा के अतिरिक्त ईश्वरीय ज्ञान भी लेते थे। एक बंगले में ओ् राधे जी के साथ माताएं और बालिग कन्याएं रहती थी। एक अन्य बंगले में भाई लोग रहते थे। इस प्रकार ईश्वरीय यज्ञ का कार्य तो पहले की तरह ही चलता रहा। विद्यार्थी जीवन और ईश्वरीय पढ़ाई का कार्य भी ठीक वैसे ही चलता रहा। विद्यार्थी जीवन और ईश्वरीय पढ़ाई का कार्य भी ठीक वैसे ही चलता रहा। अपनी बसों में सवार होकर वैसे ही प्रतिदिन क्लिफटन पर सागर के किनारे सैर करने जाते थे। कुछ समय ही लोगों ने झंझट और झगडा करने की कोशिश की होगी। आखिर जब उन्होनें देखा कि ये लोग टलने वाले नहीं हैं, इन्हें तो पक्की ईश्वरीय लग्न लग गई है, वैर करने तथा अपना ही धन और समय व्यर्थ गंवाने के सिवा तो कुछ मिला ही नहीं। उन्होनें सोचा कि एक दिन दादा का पैसा भी खर्च होते होते समाप्त हो जायेगा और तब ये सभी माताएं-बहनें और भाई वापस लौट जाएंगे। उन्हें यह क्या मालूम था कि यह सर्वशक्तिवान परमपिता परमात्मा द्वारा स्थापित किया हुआ ईश्वरीय विश्व विद्यालय है, यह किसी मनुष्य द्वारा स्थापित किया हुआ साधारण ज्ञान-यज्ञ या विद्यालय नहीं है। उन लोगों ने समाचार में यह प्रस्ताव छपवा दिया कि कोई भी व्यक्ति 'ओम् मण्डली' को पैसा न देवे ताकि इसका धन समाप्त हो जाये और इस संस्था का अन्त हो जाए। परन्तु जिस ओम मण्डली का आधार त्याग, तपस्या और ईश्वीय निष्ठा था, उसका लोग कैसे अन्त कर सकते थे? उसका कार्य अब शान्तिपूर्वक और सुचारू रूप से चलने लगा। जिन कन्याओं को नाबालिग होने के कारण कोर्ट (न्यायालय) द्वारा उनके संबन्धी ले गए थे, वे भी अब वापस आने लगीं क्योंकि उनके माता-पिता ने देखा कि इनकी लगन तो अटूट तौर पर इश्वर से लगी हुई हैं और ये सिनेमा, फैशन, मांसाहार, विकारी विवाह आदि के लिए तो हमारा प्रस्ताव मानती नहीं हैं, तो क्यों न इन्हें जाने दिया जाये और जीवन को उच्च बनाने की शिक्षा लेने दी जाये। बालिग और बुजुर्ग माताएं तो पहले से ही वहां थी। उन्हें तो कोई भी वापस जाने की आज्ञा नहीं दे सकता था क्योंकि पहले से ही उन सबके पति या ससुर ने यह स्वीकृति-पत्र लिख कर दिया हुआ था कि वे 'ओम मण्डली' में ओम राधे के पास जाकर ज्ञानामृत पी और पिला सकती हैं।

कन्याओं के सामने एक और परीक्षा...

कुछ बालिग कन्याओं को भी उनके माता-पिता किसी मान्य व्यक्ति द्वारा दवाब डलवा कर और बीच-बचाव कराके वापस घर ले गए थे। अब वे भी वापस लौट आई क्योंकि उनकी लग्न, निष्ठा, त्याग तथा सच्चाई से तो मध्यस्थता करने वाले व्यक्ति तथा उनके माता-पिता भी अब प्रभावित हो गए थे। इस विषय में ब्रह्माकुमारी मनोहरइन्द्रा जी ने आप-बीती इस प्रकार लिखी- एक दिन की बात है कि दो-तीन कुमारियों की माताओं को 'ऐन्टी ओम् मण्डली' के लोगों ने बहकाया और कहा कि आप 'ओम मण्डली' से अपनी बच्चियों को वापस लाओ। परन्तु उन्होंने कहा कि हमने तो उन्हें स्वीकृति पत्र लिख कर दिया हुआ है अतः न्यायालय में तो वे उस पत्र को पेश कर देंगी। यह सुनकर 'ऐन्टी ओम् मण्डली' वालों न कहा, हम आपको दूसरा उपाय बताते हैं। यदि आप हमारे उस सुझाव पर नहीं चलेंगी तो हम आपको अपनी बिरादरी से निकाल देंगे और आपको क्षति पहुंचायेंगे।

इस प्रकार उन्हें डरा कर वे उन माताओं को कराची में ले आये और वहां उन्हें सारी बात समझाकर वहां के एक धनाढय एवं प्रसिद्ध व्यक्ति 'शिवरत्न मोहता' जी के दरवाजे पर बिठा दिया और भूख-हड़ताल करने को कहा।

आगे क्या हुआ अगले अंक में क्रमशः....

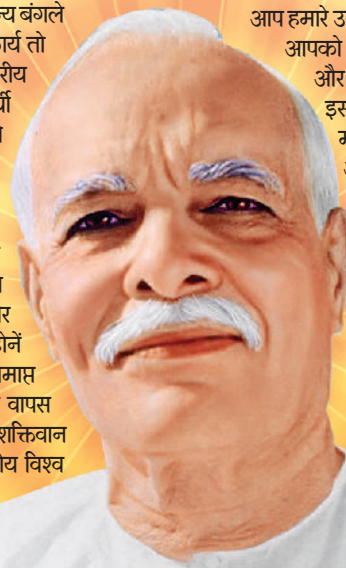

वंडर्स ऑफ BRAHMAKUMARIS

इस कॉलम में हम आपको हर बार ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान एवं भाई-बहनों को मिले पुरस्कार या सम्मान से रुबरु कराएंगे। इस बार आप जानेंगे संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी का ऑनर बुक पत्र से सम्मान तथा एशियन पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीते बीके वीरेंद्र सिंह के बारे में....

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन ने दादी रत्नमोहिनी को दिया ऑनर बुक सम्मान

अधिवक्ता अश्विन त्रिवेदी दादी को सम्मान पत्र देते हुए ।

शिव आमंत्रण ➤ नासिक। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की ज्वाइंट हेड 95 वर्षीय राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी का मुख्यालय स्थित डायमंड हाल में भव्य स्वागत कर लंदन स्थित वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की ओर से एक सम्मान पत्र सौंपा गया। इस विशेष मौके पर हजारों लोग पहुंचे थे, जिनमें हाईकोर्ट के अधिवक्ता अश्विन त्रिवेदी भी थे। आध्यात्मिक जागरूकता के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान के लिए दादीजी को सम्मानित किया गया। मौके पर उपस्थित ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के महासचिव बीके निरवैर ने कहा कि वे 1959 से आध्यात्मिक शिक्षक रही हैं। मुरली पढ़ना एवं आध्यात्मिक संदेश देना, उनकी विशेषताएं रही हैं। विदेश में सेवा करने के दौरान भी दादी जी की आध्यात्मिक प्रतिबद्धता मिसाल से कम नहीं रही। इस उम्र में भी वे संस्था के युवा विंग का नेतृत्व करती हैं। समारोह में उपस्थित ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन ने कहा कि रत्नमोहिनी दादी एक अद्भुत सितारे की तरह चमकती हैं। वे न सिर्फ विनम्र हैं, बल्कि हर किसी के लिए सुलभ हैं। इनकी शक्तिशाली आवाज और वाणी, इनकी शक्तिशाली आत्मा की परिचायक है। यह हर किसी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। आत्मिक स्थिति में रहने के कारण इन पर उम्र का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। इस कार्यक्रम में बीके मुन्नी, बीके मृत्युंजय, इशू दादी भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम में दादी रतनमोहिनी को लेकर बनी एक डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें उनके जीवन वृतांत, सेवाओं व सम्मानों का उल्लेख है। जो उनकी आंतरिक शक्ति को भी प्रतिबिंबित करता है।

एशियन पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में बीके वीरेंद्र सिंह ने जीते तीन स्वर्ण पदक

शिव आमंत्रण ➤ वाराणसी/उप्र। बीके वीरेंद्र सिंह मरकाम 15 वर्ष की उम्र से ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के सदस्य हैं जो डिस्ट्रिक्ट पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन के खिलाड़ी व अंतर्राष्ट्रीय पॉवर लिफ्टिंग खिलाड़ी निधि सिंह पटेल के सानिध्य में रहकर एशियन पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीता। सात समंदर पार बैंकाक में 20 से 26 अप्रैल तक आयोजित चैम्पियनशिप में मरकाम ने कुल 470 केजी भार उठाकर तीन स्वर्ण पदक, एक रजत पदक पर कब्जा जमा कर पदक देश की झोली में डाला। इस उपलब्धि से उत्साहित मरकाम के साथी खिलाड़ियों ने मिठाई वितरित कर खुशियों को साझा किया।

अगले अंक में आप जानेंगे संस्था की अन्य उपलब्धियों के बारे में... पढ़ते रहिए शिव आमंत्रण।

माइंड पॉवर ऑफ YOUTH

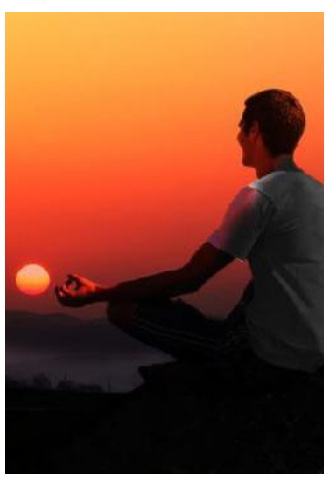

मेडिटेशन से युवाओं को नकारात्मक सोच से मिलेगा छुटकारा

रवि पाण्डेय
एमए (स्टूडेंट)
मिर्जापुर (उत्तरप्रदेश)

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा जो राजयोग मेडिटेशन सिखाया जाता है। उसको जब मैंने अभ्यास करना शुरू किया तो मुझे प्रैक्टिकल में यह अनुभव हुआ कि मेरे विचारों की गति शान्त व श्रेष्ठ हो रही है। और साथ ही साथ मेरी दिनचर्या में जो नकारात्मक बातें एवं कई तरह परिस्थितियां आती है उसे सकारात्मक रूप से स्वीकार करने की शक्ति भी राजयोग मेडिटेशन से मुझे अनुभव होता है। इसके अभ्यास से पढ़ाई में एकाग्रता भी बढ़ती है ऐसा मैनें महसूस किया है। खास करके युवाओं को नकारात्मक गति विधियों से बचने के लिए भी राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास बहुत जरूरी है ऐसा मैं एक युवा छात्र होने के नाते हमेशा अनुभव कर रहा हूं।

मेडिटेशन जीवन को शांत व सुखमय बनाने की एक अनोखी कला

अभिनव गुप्ता
एमए (स्टूडेंट)
इंद्रपुरी (दिल्ली)

प्रतिदिन राजयोग के अभ्यास से मेरे जीवन को एक नई गति एवं ऊर्जा प्राप्त हुई है। सारे दिन के दिनचर्या के बाद जो मानसिक एवं शारीरिक थकान होती है उसे 15 मिनट में राजयोग के अभ्यास से शरीर व मन दोनों तरोताजा व ऊर्जावान कर लेता हूं। रोज-रोज राजयोग के अभ्यास से चिंता, दुःख परेशानी, उदासी, क्रोध व ईर्ष्या जैसे भाव खत्म हो रहे हैं। इससे आत्मा एवं परमात्मा की अनुभूति के साथ एकाग्रता की भी शक्ति बढ़ गया है। राजयोग से मेरे जीवन में सकारात्मक स्थाई परिवर्तन के साथ श्रेष्ठ शक्तियों का भी समावेश हुआ है। खुद के अनुभव से कह सकता हूं कि राजयोग मेडिटेशन जीवन को शांत व सुखमय बनाने की एक अनोखी कला है इसलिए इसका अभ्यास अपने जीवन में अवश्य करके देखें।

वैल्यूज़ इन हेल्थ केयर ए स्प्रिचुअल एप्रोच के तहत दो दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित

व्यसनमुक्ति की सेवाओं से मुख्यमंत्री को कराया रुबरु

स्वास्थ्य मंत्री ने किया उद्घाटन, 30 डॉक्टर्स ने लिया भाग

मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देव से मुलाकात के बाद विहासा की टीम

शिव आमंत्रण अगरतला। वैल्यूज़ इन हेल्थ केयर ए स्प्रिचुअल एप्रोच माना विहासा, इस प्रोजेक्ट के तहत त्रिपुरा के अगरतला स्थित ज्ञान उदय भवन में दो दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित हुआ जिसका उद्घाटन स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्री सुदीप रॉय बर्मन, मेडिकल एजुकेशन के डायरेक्टर डॉ. चिन्मय विश्वास और अगरतला मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य के.के कुंडू की मुख्य उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस ट्रेनिंग में अगरतला के विविध इंस्टिट्यूशंस और कॉलेजेस से नर्सेज़, पैरामेडिक्स, टीचर्स एवं 30 से अधिक चिकित्सकों ने हिस्सा लिया जिन्हें विहासा की टीम से विशेष हेल्थ प्रोफेशनल्स डॉ. ब्रजेश सिंघल, डॉ. मनोज, डॉ. सचिन परब, डॉ. सुनैना और डॉ. हीना ने मार्गदर्शित किया। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में डिबेट्स, ग्रुप डिस्कशन, ड्रामा, डांस, मोनोएक्ट, स्किल बेस्ड एक्सरसाइज़, मेडिटेशन जैसी विविध गतिविधियां शामिल थी, जिसका मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत स्तर पर सभी को मूल्य आधारित दृष्टिकोण सिखाना एवं राजयोग के अभ्यास द्वारा अपने प्रोफेशन को आध्यात्मिकता से जोड़ना था। कार्यक्रम के बाद विहासा की पूरी टीम ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देव से मुलाकात कर संस्थान द्वारा पूरे देश में व्यसनमुक्ति के लिए की जा रही सेवाओं की जानकारी दी तथा मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण भी दिया।

खुश रहना स्वाभाविक, तनाव एक बीमारी

आयोजित सेमिनार का शुभारंभ करते वरिष्ठ राजयोगी बीके सूरज व अन्य।

शिव आमंत्रण त्रिपुरा। आज तनाव बेहद आम बात हो गई है, आलम ये है कि लोग तनाव के बगैर जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि संघर्षमय जीवन में तनाव आना स्वाभाविक है, लेकिन वास्तविकता कुछ और है, खुश रहना स्वाभाविक है और तनाव एक बीमारी, जिसे समाप्त करने के लिए विचारों की शक्ति को जानना बेहद ज़रूरी है। माउंट आबू से वरिष्ठ राजयोगी बीके सूरज कहा कि सारे संसार को एक दिन ये स्वीकार करना होगा कि भारत ही सबसे महान देश है। ज्ञान की गंगा यदि कोई बहा सकता है तो वो भारत है, पूरे विश्व को सुख-शांति का मार्ग यदि कोई बता सकता है तो वो भारत ही है। इसके अलावा उन्होंने विचारों की शक्ति का महत्व बताया। दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी के वाइस चेयरमैन तरूण कपूर, बीके संगीता, माउंट आबू से आई बीके गीता समेत शहर के कई प्रतिष्ठित लोगों ने दीप जलाकर किया। संगोष्ठी में श्री गंगाराम अस्पताल के डॉ. दीपक गुप्ता ने अपने अनुभव सुनाते हुए बताया कि किस तरह से आज के समय में बच्चे से लेकर बुढ़े तक सभी तनाव के शिकार हो चुके हैं जिसे समाप्त करने करने के लिए मन की शक्ति को पहचानकर उसका सदुपयोग करना होगा।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के भाई-बहनों ने जगह-जगह शुरू किए प्याऊ

राहगीरों को पीने का पानी के लिए बनाए गए प्याऊ साथ में बीके सदस्य।

शिव आमंत्रण राजकोट। जब गर्मी का मौसम प्रारम्भ हो जाये और कड़कड़ाती धूप में यदि राह चलते शीतल जल उपलब्ध हो जाये तो इससे ज्यादा अच्छा कुछ नहीं हो सकता है। गुजरात के राजकोट में तापमान इन दिनों अपने चरम पर है। ऐसे में राजकोट पालिका के आह्वान पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने पहल करते हुए मुख्य मार्गों पर जगह-जगह प्याऊ बनाकर पानी पीने की व्यवस्था की है। इतनी अधिक गर्मी के समय राह में चलने वाले राहगीरों को कड़ी धूप में शीतलता प्रदान करने के लिए राजकोट के स्वर्ण जयंति पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा पूरे राजकोट में गोंडल, पाटीदार चौक, रैया रोड, साधुवासवाणी रोड, नाणावटी चौक, पेडक रोड समेत लगभग 25 स्थानों पर पानी पीने के प्याऊ बनाए गए और मानवता की सेवा में अपना अमूल्य योगदान दिया। आने वाले राहगीरों को पानी के साथ जीवन में मूल्यों का भी ज्ञान दे रहा है ताकि उनके जीवन से हमेशा के लिए मूल्यों की प्यास बुझ जाये। यही नहीं इसकी जागृति के लिए राजकोट के सभी सेवाकेंद्रों पर तथा घर-घर में अद्भुत रंगोली बनाई गई। जिसका थीम था पानी का परब, दुआएं अरब, वहीं बच्चों के लिए भी जल ए जीवन विषय पर चित्र स्पर्धा का आयोजन किया गया।

राजयोग से खिलाड़ियों में बढ़ती है एकाग्रता की शक्तिः कर्नल विश्नोई

ज्ञान सरोवर में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथि।

शिव आमंत्रण माउंट आबू। निरंतर मेहनत, प्रशिक्षक व व्यवस्था में आस्था से ही खिलाड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हैं, जो खिलाड़ी अपने नैतिक मूल्यों के प्रति सजग है वह निरंतर श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकता है और ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा दिए जाने वाले राजयोग प्रशिक्षण से खिलाड़ियों में मानसिक एकाग्रता व मूल्यों को धारण करने की शक्ति मिलती है। ये बात मोतीलाल नेहरू स्पोर्ट्स स्कूल सोनीपत निदेशक कर्नल राज विश्नोई ने माउंट आबू के ज्ञान सरोवर में खेल प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन के दौरान कही। खेलों में उत्तम प्रदर्शन करने के लिए राजयोग का चमत्कार विषय पर आयोजित सम्मेलन में हैदराबाद से आए अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी महेंद्र वैष्णव समेत अनेक वक्ताओं ने भी अपने वक्तव्य से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। खेल प्रभाग के अध्यक्ष बसवराज, राष्ट्रीय संयोजिका बीके शशि और मुख्यालय संयोजक बीके जगबीर ने खिलाड़ियों को राजयोग सीखने की सलाह दी।

गॉडस ऑफ गॉडस फिल्म देखने उमड़ा बॉलीवुड

स्क्रिनिंग करते हुए फिल्मी जगत की जानी-मानी हस्तियां और बीके सदस्य।

शिव आमंत्रण सांताक्रुज (मुंबई)। यूं तो ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा निर्मित गॉड ऑफ गॉड्स फिल्म रिलीज़ होने के बाद देश के सभी पी.वी.आर तथा सिनेमैक्स सिनेमा घरों में दिखाई जा रही है लेकिन हाल ही में मुंबई के वेस्ट सांताक्रूज में कुछ ऐसा हुआ जो इससे पहले किसी भी सिनेमाघर में नहीं हुआ। दरअसल सांताक्रूज के गोल्ड सिनेमा हॉल में गॉड ऑफ गॉड्स फिल्म दिखाने से पहले दर्शकों को ईश्वरीय महावाक्य सुनाए गए, वो महावाक्य जिसे ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के सदस्य मुरली कहते हैं और सभी परमात्मा के इन्हीं महावाक्यों को सुनकर अपने दिन की सुंदर शुरूआत करते हैं। दबंग फिल्म के डायरेक्टर अभिनव कश्यप, प्रोड्यूसर एण्ड एक्टर करण आनंद, राजीव भारद्वाज, संजय मंघनानी, अभिनेत्री स्वाती कुमार, विश्व सिंध सेवा संगम के नेशनल जनरल सेक्रेटरी राजीव पुरूस्वानी, सांताक्रूज सबज़ोन प्रभारी बीके मीरा, सांताक्रूज ईस्ट सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कमलेश समेत शहर के कई प्रतिष्ठित लोगों ने कैंडल लाइटिंग कर फिल्म की स्क्रिनिंग की। विशिष्ट अतिथियों ने अपने विचार और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि परमात्मा का सत्य परिचय देने के उद्देश्य से बनाई गई यह फिल्म सभी को ज़रूर देखना चाहिए। इसके साथ ही बीके मीरा ने सभी आए हुए गणमान्य लोगों को ईश्वरीय सौगात दी और बीके कमलेश ने इस फिल्म को सराहते हुए सांताक्रूज सबज़ोन की तरफ से बधाई और शुभकामनाएं दी।

सार समाचार

बीके स्वागतिका का राज्यपाल ने किया सम्मान

शिव आमंत्रण भुवनेश्वर। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान से जुड़ी व राजयोग अभ्यासी बीके स्वागतिका को साइकोलॉजी में श्रेष्ठ अंकों से पोस्ट ग्रेजुएट करने के लिए भुवनेश्वर में राज्यपाल प्रोफेसर गणेशीलाल और ओड़िशा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस कल्पेश सत्येंद्र झहेरी ने गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। बीके स्वागतिका इस उपलब्धि का श्रेय राजयोग मेडिटेशन, ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान और वहां के सकारात्मक वातावरण को देती हैं। वे इंदिरा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र से जुड़ी हुई हैं और उनका पूरा परिवार सहयोगी है।

राजयोग से तन-मन को स्वस्थ बनाने का आह्वान

शिव आमंत्रण प्रयागराज। सिविल लाइन्स सेवाकेंद्र पर विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में विशेष ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के सदस्यों के लिए कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर डॉ. जे के मिश्रा, डॉ. अविनाश जायसवाल, डॉ. रमन मिश्रा समेत अन्य कई चिकित्सकों ने निःशुल्क सेवाएं दी जिसका स्थानीय लोगों ने पूरा लाभ लिया। राजयोग शिक्षिका बीके श्रद्धा ने कार्यक्रम की रुपरेखा के बारे में जानकारी दी। अंत में सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुधा ने सभी चिकित्सकों को ईश्वरीय सौगात देने के साथ ही उनके योगदान के लिए शुभकामनाएं दी व राजयोग द्वारा तन-मन को स्वस्थ बनाने का आह्वान किया।

सकारात्मक जीवन के लिए ध्यान-चिंतन के साथ शाकाहारी भोजन जरूरीः बीके मृणालिनी

शिव आमंत्रण नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में दैनिक पुण्यनगरी कार्यालय में सकारात्मक सोच विषय पर आयोजित सेमिनार में राजयोग शिक्षिका बीके मृणालिनी ने जीवन में सकारात्मकता लाने के लिए नियमित रूप से ध्यान, चिंतन, मनन और शुद्ध शाकाहारी भोजन लेने कि अपील की। बीके मृणालिनी ने बताया कि मानव मन, मस्तिष्क और विचारों का आपस में घनिष्ठ संबंध है। इस अवसर पर बीके पुष्पा, कार्यालय के महाप्रबंधक संजय राके समेत अनेक विशिष्ट लोग भी मौजूद रहे जिन्होंने अपने उद्बोधन से सभी को लाभान्वित किया।

समर कैंप में अभिनेता मुकेश खन्ना ने बच्चों का बढ़ाया उत्साह

शिव आमंत्रण बोरीवली। फिल्म अभिनेता मुकेश खन्ना मुंबई के बोरीवली सेवाकेंद्र पर आयोजित समर कैंप में बच्चों का उत्साह वर्धन करने पहुंचे। 8 से 16 साल के बच्चों के लिए 6 दिवसीय आयोजित इस शिविर के लिए मुकेश खन्ना ने संस्थान के सदस्यों का आभार माना और इस समाज के लिए सबसे बड़ी ज़रूरत बताया। वहीं तेनालीराम टीवी सीरियल में गुंडप्पा की भूमिका निभाने वाले चाइल्ड आर्टिस्ट कृष पारेख ने भी लगभग 150 से अधिक बच्चों को अपने अनुभवों से प्रेरणा दी और वरिष्ठ बीके सदस्यों ने भी बच्चों को इस शिविर के लिए उत्साहित किया। कैंप के दौरान डांस, क्राफ्ट, स्पीच, एक्सारसाइज़ जैसे अनेक गतिविधियों में बच्चों ने उमंग-उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इसके अलावा उन्हें, ईमानदारी, आज्ञाकारिता और सत्यता जैसे अनेक मूल्यों की शिक्षा के बारे में भी बताया गया।

सार समाचार

किसानों ने शाश्वत यौगिक खेती करने का लिया संकल्प

शिव आमंत्रण ❯ पूर्णा। किसानों को व्यसनों से मुक्त करना, अंध विश्वास एवं कुप्रथाओं का उन्मूलन करना, पारम्परिक शाश्वत यौगिक खेती अपनाकर पौष्टिक अन्न उत्पादन करना। किसानों को इसकी जानकारी देने के मुख्य उद्देश्य से महाराष्ट्र के पूर्णा में विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन हुआ। शाश्वत यौगिक खेती एक ऐसी पद्धति है जिसमें हम कुदरत के नियम एवं प्रभाव पर चल कर विज्ञान के आधार से प्रकृति के पांचों तत्वों सहित सर्व जीव जंतुओं, पशु पक्षियों से स्नेह का रिश्ता जोड़ते हैं। इसके लिए आवश्यक है आध्यात्मिक शक्तियों की, जो हमें राजयोग से मिलती है। इस कार्यक्रम का कई किसानों ने लाभ तो लिया ही साथ ही साथ शाश्वत यौगिक खेती करने का संकल्प भी लिया।

कलियुग से सतयुग में बदल रही दुनिया: बीके आरती

शिव आमंत्रण ❯ ऋषिकेश। ऋषिकेश सेवाकेंद्र द्वारा रूक्मिणी धर्मशाला में आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें आमंत्रित बीके आरती ने कहा कि निराकार परमात्मा शिव श्रीमद् भगवत गीता में कहे महावाक्यों के अनुसार इस धरती पर अवतरित हो चुके हैं और मानवीय तन का आधार लेकर हम सभी की राजयोग की शिक्षा दे रहे हैं जिससे हमारा जीवन सुखमय बन जाएगा और यह घोर कलियुग नवयुग अर्थात् स्वर्णिम युग में बदल जाएगा। इस मौके पर व्यापार सभा के पूर्व अध्यक्ष नवल किशोर, रूक्मिणी धर्मशाला के अध्यक्ष अमरनाथ जोशी, समाजसेवी मदन मोहन शर्मा समेत कई लोग उपस्थित रहे जिन्हें बीके आरती ने ईश्वरीय सौगात भेंट की।

रक्तदान कर दूसरों की जिंदगी बचाने का दिया संदेश

शिव आमंत्रण ❯ अगरतला। त्रिपुरा के अगरतला स्थित ज्ञान उदय भवन सेवाकेंद्र के परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन कर असहायों की मदद के लिए रक्त संचय किया गया। इस मौके पर 'त्रिपुरा स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन कार्उंसिल' से चिकित्सकों, स्वास्थ्य पेशेवरों की टीम समेत कुछ नर्सेस रक्त संग्रह के लिए आई थी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सेवानिवृत्त एस.सी.दास ने रक्तदान के विभिन्न स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दी। स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कविता के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का आगाज़ दीप प्रज्वलन कर हुआ तो वहीं आगे आई.जी.एम अस्पताल के डॉक्टर विश्वजीत देव बर्मन ने बताया कि 18 वर्ष से ऊपर का कोई भी व्यक्ति एक वर्ष में 3 बार रक्तदान कर सकता है, यदि वह किसी भी गंभीर स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित नहीं है।

आध्यात्मिकता से ही बनेगा मूल्यनिष्ठ समाज

शिव आमंत्रण ❯ कूचबिहार। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में मूल्यनिष्ठ समाज का निर्माण विषय पर कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किया गया जिसमें मुख्य अतिथि पीडब्ल्यूडी ऑफिसर बिमल ने अपने विचार रखे, वहीं सेवाकेंद्र प्रभारी बीके संपा ने कहा कि जब तक आध्यात्मिक शक्ति को न अपनाया जाए तब तक मूल्यनिष्ठ समाज का निर्माण करना असंभव है, इस मौके पर रामकृष्ण स्कूल के हेड मास्टर बाजरा गोपाल ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन तथा आध्यात्मिक ज्ञान ही एक मात्र रास्ता है जो एक मूल्यनिष्ठ समाज बनाने में सहायक है।

राजकोट में गुडबाय डायबिटीज शिविर आयोजित...

खानपान के परहेज और व्यायाम से डायबिटिज पर नियंत्रण संभव

दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन करते विशिष्ट अतिथि।

शिव आमंत्रण ❯ राजकोट। मधुमेह आजकल के सर्वाधिक प्रचलित रोगों में से एक है, बहुत से लोग इसे आधुनिक सभ्यता का अभिशाप भी कहते हैं, अमेरिका में मधुमेह मृत्यु का आठवां और अंधेपन का तीसरा सबसे बड़ा कारण बन गया है, इसे रोकने का आधार है रहन-सहन की हमारी आदतों में बदलाव और शारीरिक के साथ मानसिक व्यायाम करना। मधुमेह के प्रति जागृति लाने के उद्देश्य से राजकोट के कुमकुम पार्टी प्लॉट में गुडबाय डायबिटीज़ शिविर सम्पन्न हुआ। राजकोट सबज़ोन प्रभारी बीके भारती के नेतृत्व में पंचशील सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित इस शिविर का उद्घाटन माउण्ट आबू के ग्लोबल हॉस्पिटल से आए मधुमेह रोग विशेषज्ञ बीके डॉ. श्रीमंत कुमार साहू, डॉ. दर्शन सुरेजा, गौ सेवा समिति प्रमुख वल्लभ कथीरिया, मानव कल्याण मंडल के चेयरमैन गीता मिरजा समेत कई विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर शिविर का आगाज़ हुआ। शिविर में डॉ. श्रीमंत साहू ने मधुमेह रोग के विषय में अधिक जानकारी देते हुए खान-पान की परहेज पर प्रकाश डाला, साथ ही शारीरिक व्यायाम भी कराया।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में भी सहायक है राजयोग

सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

शिव आमंत्रण ❯ भूवनेश्वर। सड़क पर दुर्घटनाओं की मुख्य वजह है लोगों द्वारा सड़क यातायात के नियमों और सड़क सुरक्षा उपायों की अनदेखी। सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए पटिया स्थित अमृत भवन सेवाकेंद्र पर संस्थान के यातायात और परिवहन विभाग द्वारा होलिस्टिक एप्रोच टू रोड सेफ्टी एंड सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी विषय के तहत सेमिनार सम्पन्न हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथियों में आरटीओ-2 संजय कुमार बेहरा, ए.सी.पी. कृष्ण चंद्र पाणिग्राही, परिवहन विभाग के पूर्व अतिरिक्त आयुक्त पुलक चौधरी, डी.सी.पी. विजय कुमार साहू समेत विशिष्ट अधिकारियों और भुवनेश्वर सबज़ोन प्रभारी बीके लीना द्वारा दीप प्रज्वलन कर सेमिनार का आगाज़ हुआ। संगोष्ठी में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बीके लीना ने बताया कि वाहन चलाते हुए मन का शांत, व्यसनमुक्त और तनावमुक्त होना ज़रूरी है, क्योंकि ज्यादातर दुर्घटनाएं इसी कारण होती है, उन्होंने बताया कि राजयोग हमारे विचारों को शांत भी करता है और जीवन को तनावमुक्त तथा व्यसनमुक्त भी बनाता है इसलिए इसे अपने जीवन में सभी को शामिल करना चाहिए।

400 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, मेडिटेशन के बताए फायदे

स्वास्थ्य जांच का फॉर्म लेते हुए मरीज़।

शिव आमंत्रण ❯ मुंबई। ब्रह्माकुमारीज़ के मलाड सेवाकेन्द्र द्वारा डिंडोशी के शीला रहेजा गार्डन में निःशुल्क मेडिकल चेकअप कैम्प का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल, आई चेकअप, डेंटल, बोन डेन्सिटी समेत अन्य कई जांच इस शिविर में शामिल किए गए जिसका स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर लाभ लिया। तीन दिनों तक लगे इस जांच शिविर का शुभारम्भ बी.एम.सी के मलाड गार्डन के अधीक्षक एच.पी. गोसावी, फिल्म अभिनेता एवं टी.वी. कलाकार विक्रम मकंदसर एवं डॉ. वेद थापड़, ज्ञानधारा सेवाकेन्द्र की प्रभारी बीके शोभा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया, इस शिविर में चिकित्सा प्रदर्शनी समेत जागरुकता सत्र का भी आयोजन हुआ जिसमें बीके शोभा ने सभी को निद्रा प्रबंधन, स्वास्थ्य के लिए भोजन एवं मेडिटेशन आदि विषयों पर लोगों को प्रेरित किया। शिविर के अन्तर्गत स्वास्थ्य जागरुकता के लिए एक नाटक भी प्रस्तुत किया गया जिसमें डॉ. वेद थापड़ ने स्वस्थ रहने के गुर सिखाए। इस कैंप का आयोजन विभिन्न चिकित्सा कम्पनियों और अस्पतालों में सन फार्मा, सुराणा अस्पताल तथा अन्य कई संस्थाओं के सहयोग से किया गया था, जिसका लगभग 400 मरीज़ों ने लाभ लिया।

खुश रहने और खुशी बांटने का दिया मंत्र

बैंक ऑफ बड़ौदा के अधिकारियों समेत बीके सदस्य।

शिव आमंत्रण ❯ भोपाल। ब्रह्माकुमारीज़ भोपाल के नीलबड़ स्थित सुख शांति भवन सेवाकेंद्र में बैंक ऑफ बड़ौदा के अधिकारियों के लिए फाइंडिंग द परपज़ ऑफ लाइफ विषय पर एक दिवसीय सेमीनार आयोजित किया गया। इस मौके पर डिप्टी ज़ोनल हेड ऑफ यूको बैंक ओ.पी.गुनानी, सीनियर मैनेजर ऑफ केनरा बैंक एल.एन.आर्या, राजयोग शिक्षिका बीके अनुराधा, बीके हेमा और बीके साक्षी सहित अन्य बीके बहनें मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। सेमिनार में ब्रह्माकुमारी बहनों ने खुशी को जीवन का मूल उद्देश्य बताते हुए खुशी को अपने जीवन में बनाये रखने तथा दूसरों को खुशी बांटने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए। इसके साथ ही राजयोग ध्यान पर विस्तार से सभी को कॉमेंट्री द्वारा शांति की अनुभूति कराकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

प्रेरणा

भिलाई के राजयोग भवन में जवानों के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित

बीएसएफ के जवानों को बताए खुश रहने के टिप्स

भिलाईः स्थानीय सेवाकेन्द्र में बड़ी संख्या में उपस्थित बीएसएफ के जवान।

शिव आमंत्रण ❯ भिलाई। छत्तीसगढ़ में भिलाई स्थित राजयोग भवन के पीस ऑडिटोरियम में बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के जवानों के लिए विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित हुआ जिसके उद्घाटन सत्र में खुद बीएसएफ प्रमुख आईजी जेबी सांगवान और सभी डीआईजी पहुंचे। इस मौके पर सर्वप्रथम राजयोग शिक्षिका बीके गीता, बीके प्राची एवं बीके माधुरी द्वारा प्रांगण में पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम में जेबी सांगवान ने ब्रह्माकुमारी संस्था का ऐसे शांत और पवित्र वातावरण में ट्रेनिंग स्थान उपलब्ध कराने के लिए आभार व्यक्त किया। इस उपलक्ष्य में सभी डीआईजी, कमांडेंट, असिस्टेंट कमांडेंट, पर्सोनल सिक्यूरिटी ऑफिसर सहित बड़ी संख्या में बीएसएफ के जवानों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ लिया। अंत में आईजी समेत मौजूद सभी डीआईजी एवं कमांडेंट को ईश्वरीय सौगात भेंट की गई, साथ ही अपनी दिनचर्या में राजयोग अभ्यास को शामिल करने की अपील भी की गई।

उप्र के मऊ में मेरा भारत, स्वर्णिम भारत यात्रा पहुंचने पर किया भव्य स्वागत

सभ्य और श्रेष्ठ समाज के लिए युवा नैतिक मूल्यों को अपनाएं: कलेक्टर

- जिलेभर में जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए
- युवाओं को किया मोटिवेट, अच्छे इंसान बनने का आह्वान

मेरा भारत स्वर्णिम भारत अभियान का मउ पहुंचने पर भव्य स्वागत।

शिव आमंत्रण ➤ मऊ/उप्र। यदि हम प्राचीन राजयोग और जीवनशैली को जीवन में अपनायें तो जीवन में सकारात्मक बदलाव हो सकता है। यह युवाओं के लिए अति अहम है। उक्त उदगार मउ के जिला कलेक्टर ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्थान मउ द्वारा फातिमा चौराहे स्थित शहनाई हॉल में आयोजित कार्य म में बोल रहे थे। उन्होंने स्वस्थ और स्वच्छ जीवन के लिए सात्विक खान पान पर ध्यान रखने की जरुरत पर बल देते हुए कहा कि भारत की प्राचीन सभ्यता में जो भोजन उपयोग में लाये जाते है वे सर्वाधिक स्वास्थ्य वर्धक और लाभकारी होते थे। इसलिए ब्रह्माकुमारीज संस्थान का मेरा भारत स्वर्णिम भारत अभियान निश्चित तौर पर युवाओं के लिए एक संदेश होगा। कार्यक्रम अभियान कोआर्डिनेटर बीके गीता ने कहा कि हम आज सुखों की दौड़ में बहुत आगे निकल गये है लेकिन मूल्यों में बहुत पीछे हो गये है। यही वजह है कि समाज तेजी से विखर रहा है स्वास्थ्य में तेजी से गिरावट आ रही है। इसलिए यह अभियान मील का पत्थर साबित होगा। समारोह में जिले के ख्यातनाम चिकित्सक डॉ एससी तिवारी ने संस्थान का अभार करते हुए कहा कि इस संस्थान से जिले में शांति की प्रकम्पन फैलती है। माउण्ट आबू से आये शिव आमंत्रण के सम्पादक तथा गॉडलीवुड स्टूडियो पीस न्यूज विभाग के विभागाध्यक्ष बीके कोमल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके विमला ने सभी अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंट की। कार्यक्रम का संचालन वाराणसी सब जोन के प्रभारी बीके विपिन ने किया।

भव्य स्वागतः- जैसे ही अभियान मऊ के भीटी चौराहे पर पहुंचा तो रामस्वरूप भारती इंटर कालेज के प्रबंधक रामाश्रय सिंह उनके समस्त स्टाफएवं छात्रों ने बैंड बाजे के साथ भव्य स्वागत किया। नगर पालिका अध्यक्ष तैय्यब पालकी ने भी अभियान की अगवानी की। अमित पब्लिक स्कूल की छात्र छात्राओं ने बैंड बाजों से आगवानी की। इस कार्यक्र म में अभियन्ता जितेन्द्र सिंह, बीके तापोशी, बीके शशि, बीके पंकज समेत बड़ी सेंया में लोग उपस्थित थे।

बाहर की आग से खतरनाक होती है मन की आग

कार्यक्रम में शामिल सुरक्षाकर्मी एवं स्कूली बच्चे।

शिव आमंत्रण ➤ हथरस/उप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के आपातकालीन प्रबंधन सेवा के अन्तर्गत अलीगढ़ रोड स्थित आनन्दपुरी कालानी सेवाकेन्द्र एवं अग्निशमन विभाग के विभाग के संयुक्त प्रयास द्वारा बच्चों को जागरूक करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पूर्व स्कूल प्रबंधक कमल गुप्ता ने एफएसओ राजकुमार गौतम एवं उनके समस्त सदस्यों का स्वागत किया। एफएसओ ने लगी हुयी आग पर काबू पाने के विभिन्न तरीकों से लोगों को अवगत कराया। सुरक्षाकर्मियों द्वारा गैस सिलेण्डर के रेगूलेटर में लगी जोरदार आग को बुझाने का प्रदर्शन भी बच्चों के आगे किया। कमल पब्लिक स्कूल में अग्नि सुरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रर्म में बच्चों को संबोधित करते हुए बीके दिनेश भाई ने कहा कि किसी स्थान पर लगी हुयी आग तो खतरनाक होती ही है लेकिन ईर्ष्या की अग्नि और क्रोध की अग्नि समाज के साथ पूरे राष्ट्र को बरबाद कर देती है। इसे शांति के सागर परमपिता परमात्मा के सानिध्य में ही बुझाया जा सकता है। कमल पब्लिक स्कूल की प्राधानाचार्या मेनका गुप्ता सहित मेनका गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस पर काव्य गोष्ठी का आयोजन

कार्यक्रम में उपस्थित कवि विद्वान और अन्य उपस्थित हुए।

शिव आमंत्रण ➤ सादाबाद/उप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के शिव शक्ति भवन पर अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस पर काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मंचासीन सभी अतिथियों का स्वागत फूल माला बैज व आत्म स्मृति का तिलक लगाकर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। कवि जयप्रकाश पचौरी ने कहा जन-जन का एक ही नारा, स्वछता धर्म हमारा कविता सुनाई। आज के समय में धरती का वायुमंडल प्रदूषित हो गया है इसलिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए एवं पॉलिथीन का बहिष्कार करना चाहिए। इसके अलावा हमें स्वयं को व्यसनों से मुक्त रखना आवश्यक है। व्यसनों से मुक्त हम तभी रह सकेंगे जब हमारा संग अच्छा होगा। संग का चुनाव करें तो परमात्म संग सर्वश्रेष्ठ है। कवि नूर मोहम्मद ने अपनी कविता थोड़ा सा प्यार देंगे, थोड़ा सा प्यार लेंगे। थोड़ी सी जिंदगानी है, हस कर गुजार देंगे। सुनायी। जाने क्या-क्या चुप से सहती, किसी से कुछ न कहती। धरती माता हम सब कहते मूक बनी सी रहती। इस अवसर पर राम बाबू पिप्पल, डा. सुरेश सादाबादी, राधेश्याम पागल, बहन मीना वार्ष्णेय, जेपी सागर, आचार्य राकेश ओझा आदि कवियों ने काव्य पाठ किया। उन सब ने एक सूर में कहा कि हर एक का फर्ज है कि अपनी धरती माता को स्वछ बनाएं और पेड़ लगाएं। पृथ्वी और प्रकृति को पवित्र बनाना हम सब का फर्ज है। कार्यक्रम में बीके बबीता बहन, मिथलेश, गुंजन बहन, रामबाबू भाई, प्रीती, राधा बहन आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सर्वधर्म स्नेह मिलन

ब्रह्माकुमारीज़ के जोनल हैडक्वार्टर इंदौर ओम शांति भवन में आयोजन

स्वयं को जानना, अध्ययन और अभ्यास करना ही आध्यात्म: विशप

शिव आमंत्रण ➤ इंदौर/मप्र। परमात्म शक्ति द्वारा स्वर्णिम दुनिया की स्थापना थीम 2019-20 के अंतर्गत धार्मिक प्रभाग द्वारा धर्म व आध्यात्म द्वारा श्रेष्ठ दुनिया की स्थापना विषय पर सर्व धर्म स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें शहर के सभी धर्मों के धर्मगुरुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में इंदौर जोन की जोनल निदेशिका बीके आरती ने एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

धार्मिक प्रभाग के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य बीके नारायण ने कहा धर्म अर्थात् धारणा, आत्मा का स्वधर्म शांति, पवित्रता है। इसमें स्व स्थित होकर ही सुख-शांति की प्राप्ति कर सकते हैं। आध्यात्म अर्थात् स्वयं का ज्ञान, परमात्मा का परिचय व संसार नाटक का ज्ञान। इससे ही आत्मा मुक्ति, जीवन मुक्ति को प्राप्त कर सकती है। मुस्लिम समाज की ओर से शहर काजी डॉ. मोहम्मद इसरत ने कहा कि कोई भी मजहब वैर विरोध करना नहीं सिखाता है। लेकिन आज इंसान पर हैवानियत इतनी सवार हो गई है कि वह शैतान बन गया है।

हरे रामा हरे कृष्णा इस्कॉन मंदिर के पार्थ सारथी दास ने कहा कि जो धर्म का नाश करेगा धर्म उसका नाश करेगा, जो धर्म की रक्षा करेगा धर्म उसकी रक्षा करेगा। क्रिश्चियन धर्म के रेड चर्च के पादरी विशप चोको ने कहा कि ईसा का जन्म शांति के लिए हुआ। पूरा विश्व एक कुटुंब है ब्रह्माकुमारीज़ यह भावना लेकर चलती है जो सराहनीय सेवा है। आध्यात्म अर्थात ज्ञान, स्वयं को जानना, उसका अध्ययन करना, साथ में अभ्यास और अनुभूति करना आध्यात्म का हिस्सा है। आध्यात्मिकता के अंदर छिपा हुआ है, उसका अध्ययन करना ही आध्यात्म है। आ का अर्थ है आत्मा, दूसरा अर्थ है अल्फ परमात्मा, तीसरा है सृष्टि के आदि और अंत के ज्ञान को समझना, यही आध्यात्म है। कार्यक्रम में शहर के करीब 260 भाई-बहनों ने भाग लिया। संचालन बीके आशा ने किया।

अलबिदा डायबिटीज

पिछले अंक से क्रमशः

बीमारी एक परंतु रूप अनेक

बीके डॉ. श्रीमंत कुमार
मधुमेह रोग विशेषज्ञ
ग्लोबल हॉस्पिटल, माउंट आबू

डायबिटीज मधुमेह के विभिन्न प्रकार

निर्धारित कारण संबंधित डायबिटीज (Other Specific Type or Secondary Diabetes) मुख्यतः डायबिटीज एक जीवन शैली जनित बीमारी है परंतु कुछ एक मनुष्यों में कुछ निर्धारित कारणों से यह बीमारी का जन्म दिखाई देता है। मुख्य कारणों का उल्लेख निम्न प्रकार है :-

- पैंक्रियास ग्रंथि का Beta Cell (बीटा कोशिका) में जेनेटिक (Genetic) विकृतियों (Defect) :- जैसे कि MODY 1 से 6 प्रकार ।
- इंसुलिन का कार्य प्रणाली में विकृति (Genetic Defect) जैसे कि Type A Resistance.
- पैंक्रियास ग्रंथि का बाह्य स्रावी अंश में बीमारी :- जैसे कि ग्रंथि में पथरिया हो जाना (Fibro calculus Pancreatopathy)।
- अंतः स्रावी ग्रंथियों की विकृतियों जैसे कि एक्रोमेगाली (Acromegaly) कुशिंग सिंड्रोम (Cushing Syndromme)।
- कुछ दवाइयों के प्रभाव (Drugs) जैसे कि स्टीरॉएड् (Steroids) मानसिक रोगों के लिए बहुत दवाइयां है।
- इनफेक्शन्स् (Infections):- जैसे कि रूबेला (Congenital Rubella) मंप्स (Mumps), Other Bacterial Infections.
- असाधारण बीमारियां :- Uncommon form of Immune Mediated Desease जैसे कि Stiffman Syndromme.
- अन्यान्य जेनेटिक बीमारियां :- जैसे कि Down Syndromme, Turner Syndromme आदि आदि।

कुछ विशेष ज्ञातव्य बातें

- यह चौथा प्रकार की डायबिटीज बहुत विरल है जो किसी हजारों में एक मरीज में पाया जाता है इस प्रकार की डायबिटीज की चर्चा हम इसलिए कर रहे हैं कि इसका संपूर्ण जानकारी हो ताकि हम सही उपचार कर सकें।
- सही उपचार तो किसी विशेषज्ञ ही करेंगे परंतु हमें यह जानकारी रखना विशेष जरूरी है कि हमारा शुगर (Blood sugar) सामान्य (Normal) है या नहीं। कारण कुछ भी हो अगर शुगर सामान्य है तो हम डायबिटीज के दुष्प्रभाव से बच सकते हैं।

कैसे पता करें ?

यह चौथा प्रकार का डायबिटीज का निदान तो वास्तव में किसी विशेषज्ञ द्वारा ही हो सकेगा इसलिए अगर स्वास्थ्य की चेकिंग और परामर्श मधुमेह विशेषज्ञ वा Endocrinologist से कराएं ताकि सही निदान हो सके और सही उपचार भी हो सकें।

कुछ ध्यान देने योग्य बातें

- ✔ कभी कुछ जरूरी कालीन परिस्थिति में वा कुछेक बीमारी में Steroid की गोलियां लेना अनिवार्य है। नचेत जीवीत रहना असंभव हो जाता है। अगर किसी को लंबे समय तक Steroid लेना पड़ता है तो अवश्य ही अपना ब्लड सुगर बीच-बीच में चेक कराते रहें। अगर शुगर बढ़ता है तो मधुमेह विशेषज्ञ से परामर्श कर उपचार करायें।
- ✔ किसी की पेक्रियास ग्रंथि में Infection (Pancreatitis) हो जाता है तो शीघ्र ही उसका विशेषज्ञ द्वारा चिकित्सा करायें। नचेत यह कभी-कभी जानलेवा भी बन सकती है। साथ-साथ अपना ब्लड सुगर भी चेक कराते रहें। Follow up करें। यदि सुगर की मात्रा ज्यादा रहती है तो इंसुलिन (Insulin) का उपचार करना भी अनिवार्य है। नचेत गोलियों से ज्यादा नुकसान हो सकता है।

-क्रमशः

यहां करें संपर्क

बीके जगजीत मो. 9413464808 पेशेंट रिलेशन ऑफिसर, ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, माउंट आबू, जिला- सिरोही, राजस्थान

सार समाचार

गीता ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन में राजयोग ज्ञान

शिव आमंत्रण ❯ कटनी/ मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ सिविल लाइन द्वारा गीता ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें कथावाचक बीके भारती ने कहा कि गीता ज्ञान दाता निराकार ज्योति स्वरूप परमपिता परमात्मा हैं। जब-जब धर्म की ग्लानी होती है तभी परमात्मा को आकर सच्ची गीता ज्ञान देते हैं। श्री कृष्ण सतयुगी दुनिया के प्रथम राजकुमार बनते हैं। आयोजनकर्ता बीके लक्ष्मी ने कहा कि कथा में बड़ी संख्या में भाइयों एवं बहनों ने लाभ उठाया। विशेष अतिथि के रूप में कटनी नगर के महापौर शशांक श्रीवास्तव, उद्योगपति सुधीर जैन, एलआईसी के एरिया मैनेजर सुशील शर्मा आदि ने दीप प्रज्वलन किया।

चेटीचंड में ब्रह्माकुमारीज का संदेश

शिव आमंत्रण ❯ उल्हासनगर। महाराष्ट्र के उल्हासनगर में चेटीचंड पर शहर में बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। जिसमें शहर के सभी संतगण एवं प्रतिष्ठित नागरिकों समेत कलाकार, साहित्यकार मिलकर सिंधियों के देवता झूलेलाल की अर्चना में शामिल हुए। इस अवसर पर शहर के पूर्व विधायक कुमार आइलानी व बीजेपी नेता जमनु पुरस्वनी का ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से स्वागत व सत्कार किया गया। रैली के दौरान कुर्ला कैम्प रोड सेवाकेन्द्र की प्रभारी बीके पुष्पा ने सभी को चेटीचंड की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सामाजिक संस्था आकृति में कार्यक्रम आयोजित, राजयोग मेडिटेशन का बताया महत्व

शिव आमंत्रण ❯ अलीगढ़/उप्र.। स्प्रीचुअलिटी कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए बीके प्रज्ञा ने कहा कि सामाजिक संस्था आकृति ग्रीन पार्क एपार्टमेंट्स में तथा अलीगढ़ महानगर में सामाजिक सरोकार के अच्छे कार्य कर रही है। आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ को आमंत्रित कर आपने जैसे सोने में सुगंध का समावेश किया है। आकृति समाज में नैतिक मूल्यों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रयासरत है। परमात्मा ने जब यह दुनिया बनाई थी तब यह नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण थी। कालांतर में मानव के देह अभिमान के कारण आज यह अपने निम्न स्तर पर खड़ा है। अब परमात्मा स्वयं भारत में अवतरित होकर नई दुनिया की स्थापना का कार्य कर रहे हैं जिसमें माताओं बहनों की विशेष भूमिका है। इस अवसर पर आध्यात्मिकता के प्रमुख बिंदुओं आत्मा परमात्मा के विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। बीके सत्य प्रकाश ने संस्था का परिचय दिया। बीके मीनू ने गीत प्रस्तुत किए। आकृति की अध्यक्ष ने बीके बहनों को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। ब्रह्माकुमारीज़ बहनों ने सभी पदाधिकारियों को ईश्वरीय सौगात दी तथा सेवाकेंद्र पर आने का निमंत्रण दिया।

सेना के जवानों के लिए जीवन प्रबन्धन विषय पर सेमिनार आयोजित

राजयोग से कर सकते हैं गुणों व शक्तियों का संचार

शिव आमंत्रण ❯ जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित इंडियन आर्मी के सिगनल्स ऑडिटोरियम में एक्ट ऑफ काइंडनेस विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। ब्रह्माकुमारीज़ के कटंगा कॉलोनी सेवाकेन्द्र एवं इंडियन आर्मी के वुमेन वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में राजयोग शिक्षिका बीके विनीता ने स्वयं तथा परमात्मा का सत्य परिचय देते हुए राजयोग के माध्यम से स्वयं में गुणों व शक्तियों का पुनः संचार करने की बात कही। इस मौके पर मौजूद इंडियन आर्मी के ऑफिसर्स एवं जवानों की पत्नियों को राजयोग का अभ्यास भी कराया गया।

राजयोग का अभ्यास करते हुए इंडियन आर्मी के जवानों की पत्नियां।

पत्रकार अपनी कलम को स्वर्णिम समाज के विकास में लगाएं

शिवआमंत्रण ❯ खंडवा/मप्र। यदि पत्रकार अपने अवचेतन मन की शक्ति को पहचान लें तो एक पत्रकार समाज को नई दिशा देने की शक्ति, हिम्मत और ताकत रखता है। पत्रकार ठान लें तो स्वर्णिम समाज लाने से कोई नहीं रोक सकता है। उक्त उद्गार वरिष्ठ पत्रकार प्रो. कमल दीक्षित ने व्यक्त किए। ब्रह्माकुमारीज़ के आनंद नगर स्थित भाग्योदय भवन सेवाकेंद्र पर मूल्यानुगत मीडिया अभिक्रम समिति के संयुक्त तत्वावधान में मीडिया सेमीनार आयोजित किया गया। विषय स्वर्णिम समाज के निर्माण में मीडिया की भूमिका था। इसमें ज़िलेभर से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और वेब मीडिया के पत्रकार, ब्यूरो चीफ शामिल हुए। मराठी अखबार देशोन्नति के संपादक राजेश राजौरे, श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष देवेंद्र जायसवाल, माखनलाल चतुर्वेदी कर्मवीर विद्यापीठ के प्राचार्य संदीप भट्ट ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शक्ति ने स्वागत भाषण दिया। हरसूद सेवाकेंद्र प्रभारी बीके संतोष ने संचालन किया। शिव आमंत्रण के संयुक्त संपादक बीके पुष्पेंद्र ने ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग की सेवाओं पर प्रकाश डाला।

मीडिया समेनिार का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ करते वरिष्ठ पत्रकार और बीके सदस्य।

दरगाह के मुस्लिम समुदाय भी हुए राजयोग से अवगत

अजमेर दरगाह पर चादर के साथ ब्रह्माकुमारीज बहनें

शिव आमंत्रण ❯ अजमेर/राज.। ब्रह्माकुमारीज़ के धोलाभाटा सेवाकेंद्र के तत्वावधान में चंद्रवरदाई नगर डी ब्लॉक में भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री अनीता भदेल, राजयोगिनी शांता दीदी, नीमच के डायरेक्टर सुरेंद्र भाई, नीमच संभाग की इंचार्ज बीके सविता दीदी, पार्षद एवं डिप्टी मेयर सम्पत सांखला, धोलाभाटा सेवाकेंद्र की इंचार्ज बीके कल्पना बहन मंच पर विराजमान थे। अजमेर जिलाध्यक्ष शिवशंकर हेड़ा ने कहा यहां राजयोग सेंटर बनने से अनेक लोगों को लाभ मिलेगा तथा सकारात्मक जीवन जीने की कला भी मिलेगी। इस अवसर पर पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री अनीता बहन ने कहा यहां राजयोग का सेंटर बन जाने पर अनेक लोगों को राजयोग सिखने का सौभाग्य प्राप्त होगा जिससे उनकी जीवन शैली में सकारात्मक बदलाव आएगा। इस अवसर पर राजयोगिनी बीके शांति ने कहा यहां सभी को राजयोग सिखने का अवसर मिलेगा ही साथ में यह स्थान आत्म अनुभूति एवं परमात्म अनुभूति का केंद्र सबसे बड़ा केंद्र बनेगा। कार्यक्रम में किशनगढ़ एयरपोर्ट के डायरेक्टर अशोक कपूर तथा दरगाह के गद्दीनशीन अज़मत भाई जी भी मौजूद रहे। मोईनुद्दीन ख्वाजा साहब की दरगाह में जियारत कर ख्वाजा साहब की दरगाह के मुस्लिम भाइयों को ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की ओर से सिखाया जा रहा मेडिटेशन के लिए निमंत्रण दिया गया। वहीं बीके ज्योति ने सबका स्वागत किया।

स्वर्णिम भारत

स्वर्णिम भारत के लिए पीस मैसेंजर बस का आगमन....

सभी ने मेरा भारत स्वर्णिम भारत बनाने का लिया संकल्प

- पीस मैसेंजर बस से युवाओं में जगा रहे देशभक्ति की अलख
- यात्री सेमीनार के माध्यम से कर रहे प्रेरित, जगह-जगह कार्यक्रम

शिव आमंत्रण ❯ कुशीनगर। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के युवा प्रभाग द्वारा मेरा भारत स्वर्णिम भारत अभियान के तहत आयोजित अखिल भारतीय प्रदर्शनी बस अभियान के बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर में आगमन पर स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मीरा, राजयोग प्रशिक्षक बीके विपिन और बौद्ध भिक्षु महेंद्र भंते द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर डॉ सीमा, डॉ ए के सिंह, डॉ एन पी राव, एनसीसी स्काउट के कई युवा सदस्य तथा आस-पास के कई लोग मौजूद रहे। दिनभर चले इस कार्यक्रम का समापन पडरौना में हुआ जिसमें मुख्य अतिथि बीज विकास निगम के उपाध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अभियान के ज़रिए बीके सदस्यों ने बताया कि भारत को स्वर्णिम बनाने के लिए पहले अपने अंदर नैतिक मूल्य और युवा जोश के साथ सकारात्मक सोच की आवश्यकता है। इसके अलावा मन की स्वच्छता, योग द्वारा परमात्मा से जुड़ने, युवाओं में जागरूकता के साथ वातावरण को स्वच्छ रखने पर विशेष ज़ोर दिया गया। इस अभियान के ज़रिए अनेक स्थानों पर लोगों को अच्छी शिक्षा दी गई जिसमें बीके स्नेहा, बीके लक्ष्मी समेत अनेक सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सभी लोगों को मेरा भारत, स्वर्णिम भारत बनाने का संकल्प कराया।

अखिल भारतीय प्रदर्शनी बस अभियान का स्वागत करते हुए बौद्ध भिक्षु महेंद्र भंते।

स्व प्रबंधन

सृष्टि-चक्र के अंतर्गत काल-चक्र की कहानी

बीके ऊषा, स्व प्रबंधन विशेषज्ञ, माउंट आबू

पिछले अंक से क्रमश...

त्रेतायुग

धीरे-धीरे समय का पहिया घूमता है और सतयुग बीत जाता है। काल चक्र का दूसरा प्रहर शुरू होता है, जिसे त्रेतायुग कहा जाता है जहां स्वास्तिका की दाहिनी भुजा। नीचे की ओर झुक जाती है। त्रेता का अर्थ जहाँ थोड़ी त्रुटि (कमी) आ जाती है। इसलिए त्रेतायुग को चंद्रवंश भी कहा जाता है। चंद्रवंशी, सतयुग की सोलह कला संपूर्णता की स्थिति से दो कला नीचे उतर आते हैं। हालांकि उनकी पवित्रता की आभा में कोई ज्यादा अंतर नहीं आता परंतु जैसे संपूर्ण चंद्रमां को दो दिन बाद देखो तो उसकी रोशनी में कोई अधिक अंतर नहीं आता फिर भी उसे थोड़ा खंडित माना जाता है। इसी प्रकार देवताओं की सतोप्रधानता के तेज में थोड़ा अंतर आ जाता है। अब वे सतोप्रधान से सतो की अवस्था में आ जाते हैं। पवित्रता, सुख-शांति, समृद्धि इस प्रहर में भी रहती है। इसलिए इस युग को भी स्वर्ग ही माना जाता है। भारत में तेंतीस करोड़ देवी-देवताओं का गायन किया जाता है। इस युग में राज्य करने वाले श्री राम और श्री सीता जी हैं। श्री राम के साथ चंद्र शब्द जुड़ कर श्री रामचंद्र जी बन जाता है। इसका भावर्थ यह है कि श्री राम से चंद्रवंश आरंभ हो जाता है। इसलिए श्री राम के पूर्वजों को सूर्यवंशी के रूप में दिखाते हैं। इसी कारण वे तिलक के रूप में सूर्य का चिन्ह लगाते है। श्री राम से राम राज्य आरंभ हो जाता है। इसलिए महात्मा गांधी ने राम राज्य का स्वप्न देखा था। उन्होंने सोचा था कि सतयुग जितनी परिपूर्णता चाहे नहीं ला सकते लकिन राम-राज्य तो जरूर ला सकते हैं। राम राज्य की महिमा में यह प्रसिद्ध है:-

'राम राजा, राम प्रजा, राम साहूकार है।
बसे नगरी, जिये दाता धर्म का उपकार है।।

कई बार लोगों के मन में यह प्रश्न जरूर उठता है कि देवताओं ने ऐसे कौन से कर्म किये जो वह सीढ़ी नीचे उतरे, या उनकी कला कम हो गई? यहां कोई कर्म करने की बात नहीं है लेकिन संसार और प्रकृति का एक नियम यह है कि परिवर्तन एक नित्य प्रक्रिया है। विज्ञान में ऊष्म गति का दूसरा सिद्धांत, जो एन्ट्रोपी का नियम है, वह यही दर्शाता है कि इस संसार में पहले हर चीज सुव्यवस्थित होती है और फिर सुव्यवस्थित स्थिति से अस्त-व्यस्त हो जाती है। जब मकान बनाते हैं तो नया होता है फिर वह समयानुसार पुराना हो जाता है। कोई भी चीज ऊपर से नीचे अपने आप आती है। जबकि नीचे से ऊपर जाने के लिए उसे चढ़ना पड़ता है। पानी ऊपर से नीचे अपने आप आता है, यह एक स्वभाविक प्रक्रिया है। ऐसे ही संपूर्ण खिला हुआ चद्रमा पूर्णमासी में एक घड़ी रहता है, दूसरी घड़ी से फिर वह अमावस की ओर चलने लगता हैं अर्थात् कोई भी चीज एक ही स्थायी स्थिति में नहीं रहती। ऐसे ही देवी-देवता भी अपनी सोलह कला वाली संपूर्ण स्थिति में सदाकाल नहीं रह सकते। धीरे-धीरे उनकी कला का क म होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है क्योकि इस सृष्टि रुपी नाटक में विभिन्न रोल निभाते-निभाते आत्मा की शक्ति का क्षीण होना भी एक कुदरती प्रक्रिया है।

द्वापरयुग

जब कालचक्र का आधा समय बीत जाता है फिर इसका तीसरा भाग शुरु होता है। स्वास्तिका का हाथ दाहिने से बाई ओर मुड़ जाता है। यहां सत्यता और एकता समाप्त होने लगती है। इसे द्वापरयुग कहते हैं। द्वापर का अर्थ है जहाँ से दो पुर आरंभ होते हैं। एक धर्म सत्ता और दूसरी राज्य सत्ता दोनों अलग होने लगते हैं। अब सत्यता के साथ असत्यता भी जीवन में आने लगी। ब्रह्मा का दिन समाप्त हुआ और ब्रह्मा की रात्रि का समय शुरू हुआ। शास्त्रों में यह वर्णन है कि देवी-देवतायें वाम-मार्ग में गये। वाम-मार्ग में गये। वाम-मार्ग अर्थात अपने दिव्यता के मार्ग से विकृत मार्ग या विषय-विकारों के मार्ग पर मुड़ गये। सतयुग-त्रेतायुग की अद्वैत भावना समाप्त हो जाती है और द्वैत भावना के कारण आपस में मत-भेद आरंभ होता है। मत-भेद के कारण ही दुःख-अशांति आरंभ होती है और तभी कहा जाता:-

'दुःख में सिमरन सब करे, सुख में करे न कोई,
जो सुख में सिमरन करे,तो दुःख काहे को होई।'

भावार्थ:- दुनिया में दुःख इसलिए आया क्योंकि दुःख (सतयुग-त्रेतायुग के समय) में किसी ने परमात्मा को याद ही नहीं किया, अगर सुख के समय में यानि सतयुग और त्रेतायुग में परमात्मा को याद करते तो दुःख इस संसार में क्यो आता? जब दुःख में परमात्मा को याद करना आरंभ करते तब परमात्मा का वास्तविक परिचय किसी को नहीं होता।

ईश्वरीय सेवाकेंद्र को सालभर में पूरा करने का लिया संकल्प

शिव आमंत्रण उंचगांव/महाराष्ट्र। पुणे-बैंगलुरू राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोल्हापुर स्थित उंचगांव में ईश्वरीय सेवाकेंद्र बनने जा रहा है। यह धार्मिक पर्यटन स्थल गोवा-कर्नाटक तथा पुणे-मुंबई को भी जोड़ता है। इस पूरे क्षेत्र को यह भवन अपना लाईट और माईट देगा इसलिए इस भवन का नाम लाईट हाउस रखा जाए। इस कार्य को एक साल के अंदर पूरा करने का संकल्प लिया गया। उपस्थित भाई-बहनों ने करतल ध्वनि से इस घोषणा का स्वागत किया। पुणे जोन की संचालिका राजयोगिनी सुनंदा बहन की उपस्थिति में यह स्वागत समारोह संपन्न हुआ। बाबा के भवन के लिए जमीन उपलब्ध कराने वाले बीके मोरे का इस पुनीत कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

संस्था पूरे विश्व में शांति फैलाने का कार्य कर रही: पूर्व एसडीएम

शिव आमंत्रण भादरा/राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज़ के स्नेह मिलन कार्यक्रम में पूर्व एसडीएम सुखाराम पिण्डेल, पुष्पेन्दर सासड़िया एवं बजरंग शेखावत बीके चन्द्रकांता जी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सुखाराम जी ने कहा कि महिलाओं द्वारा संचालित यह संस्था पूरे विश्व में शांति फैलाने का कार्य सफलतापूर्वक कर रहीं हैं। इससे लोगों के बीच आध्यात्मिक क्रांति का विकास हुआ है। पुष्पेन्दर ने कहा कि समाज में और देश में लड़ाई-झगड़ा खत्म करने का जो कार्य पुलिस को करना चाहिए वह ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान कर रही है। आज भारतीय नारी पूरे विश्व में पथ प्रदर्शक बनी हुई हैं। बीके चन्द्रकान्ता ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी दी जिसे सुनकर सभी ओत-प्रोत हुए।

झूले लाल जयंती पर सिखाया राजयोग

शिव आमंत्रण फर्रूखाबाद/उप्र। ब्रह्माकुमारीज़ झूले लाल जयन्ती के अवसर एक कार्यक्रम सिन्धी समाज के लोगों के बीच आयोजित किया। कार्यक्रम में बीके मंजु बहन ने उपस्थित लोगों को सहज राजयोग के बारे में बताते हुए कहा कि अगर जीवन में राजयोग को अपना लिया जाए तो किसी भी प्रकार की परेशानी से मुक्त हुआ जा सकता है।

मीरचंदानी चैरिटेबल ट्रस्ट के नवनिर्मित पुष्पहरी सभागृह का उद्घाटन

शिव आमंत्रण इंदौर/मप्र। आदर्श पलसीकर कॉलोनी रहवासी परिषद् के दीवान पलसीकर गोल बगीचा में मीरचंदानी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित पुष्प हरी सभागृह के उद्घाटन समारोह में आदरणीया बीके शशि को आशीर्वचन एवं सम्मान हेतु आमंत्रित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि 'भाऊ' हरीश मीरचंदानी उपस्थित थे। मंचासीन संत श्री अन्नाजी महाराज दत्त, माउली संस्थान प्रमुख चन्द्र प्रभास शेखर, पूर्व मंत्री कांग्रेस, शंकर लालवानी अध्यक्ष, इंदौर विकास प्राधिकरण कार्यक्रम में समाजसेवी गिरीश मतलानी, विजय मीरचंदानी, अनिल फतेहचंदानी एवं विशाल गिडवानी भी मौजूद थे। दीदीजी का सम्मान भ्राता जोगिन्दर सिंह होरा अध्यक्ष, आदर्श पलसीकर कॉलोनी रहवासी परिषद् एवं श्रीमती कंचन गिदवानी पार्षद, प्रेमनगर क्षेत्र ने शाल एवं मोमेंटो द्वारा किया गया।

समस्या समाधान

ब्र.कु. सूरज भाई
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक

सदा मुस्कुराते रहें, इसी का नाम है जिंदगी

जीवन की इस यात्रा को सुखदाई आनंद से भरपूर करने के लिए श्रेष्ठकर्म करने की आवश्यकता है। पहले एक हंसी की बात बताऊं कि मैं बहुत समय पहले ऑस्ट्रेलिया गया था तो वहां रोज एक पब्लिक प्रोग्राम रखते थे सौ लोगों को बुलाते थे होटल्स में हॉल होते ही है सौ के बैठने के। तो मुझे रोज ही कहते थे 45 मिनट इस टॉपिक पर बोलना है और फिर प्रश्न उत्तर करना है 45 मिनट से ज्यादा नहीं। मैंने कहा क्योंकि मेडिकल साइंस की ये मान्यता है और हमारे देश में तो ज्यादा है कि मनुष्य के ब्रेन की शक्ति केवल 45 मिनट है बाकी ज्यादा बोलोगे तो सब ऊपर से जाएगा। मैनें कहा हमारे भारत वाले सारी सारी रात बैठकर भगवत कथा सुनते है, कितनी ताकत है ब्रेन में! सच में ताकत है। हम अपने ब्रेन का निर्माण खुद करते हैं मैं डॉक्टर नहीं हूं पर बहुत सारी चीजें जान गया हूं। आपको आत्म ज्ञान यहां मिला है थोड़ा। आत्मा की जितनी डिग्री और पावर होती है उसी अनुसार गर्भ में ब्रेन का निर्माण होता है, किसी का ब्रेन बहुत शक्तिशाली किसी का बहुत कमजोर, किसी के ब्रेन में कुछ कमी किसी के कुछ। हम अब अपने ब्रेन को भी बहुत पावरफुल बना सकते हैं और जीवन की इस यात्रा को बहुत सुंदर बना सकते है। जीवन की यात्रा में घर परिवार में रहते हुए जीवन का आनंद लिया जाए। जीवन में सुख, शांति, खुशी और प्रेम रहे इस सबकी मनुष्य को बहुत जरूरत है।

एक अंगुली दूसरे की ओर है तो बाकी किसकी ओर

मैं एक सुंदर बात बताना चाहता हूं कि उठे तो भी मुस्कुराते हुए, सोए तो भी मुस्कुराते हुए। ऐसा जीवन पसंद है? उठते हैं मुस्कुराते हुए या उठते ही सिर भारी व मन भारी, और सो लूं जरा। उठें भी मुस्कुराते हुए तो जीवन मुस्कुराहट से भर जाएगा, भाग्य मुस्कुराने लगेगा और जो भी हमें देखेगा वो भी मुस्कुराने लगेगा। आज बहुतों की जीवन की यात्रा भारी हो गयी है। किसने भारी की? हमने खुद या किसी और ने? मनुष्य दूसरों की ओर अंगुली उठाता रहता है, जबसे मेरी शादी हुई पति ऐसा मिला, जीवन नरक बना दिया मेरा। वह भूल जाता है कि एक उंगली हमारा दूसरे की ओर है तो बाकी किसकी ओर इशारा कर रही है? अपने को जो देख लें वही महान बनता है। जो सदा शिकायत करते हैं वो शिकायत ही करते रह जाते हैं, उनकी कोई सुनता भी नहीं कहते इनकी तो शिकायत की आदत पड़ गयी है। इसलिए मुस्कुराने का नाम ही जिंदगी है।

अभी से जितना पीछे जाएं समय और सुंदर था

जब हम इस संसार में आए तब सतयुगी देवी-देवता थे। हम सब जानते हैं कि आज से 50 साल पहले संसार थोड़ा अच्छा था, मनुष्य अच्छे और ईमानदार थे। उससे 100 साल पहले राज तो अंग्रेजों का था पर अच्छाई बहुत थी लोग संतुष्ट थे। उससे और पीछे चलो गुप्त काल के लिए भारत के स्वर्ण काल इतिहास में प्रसिद्ध हैं। भारत में ताले नहीं लगते थे, कोई रोता नहीं था, कोई भूखा नहीं था, चोरी नहीं थी कितना सुंदर समय था। अब हजार साल पहले चलो तो कैसा समय होगा अति सुंदर। हम सभी मनुष्य अभी जो यहां बैठे है देवी देवता थे। आप इस सत्य को जाने और स्वीकार करें। हम केवल अपने वर्तमान जीवन को देखते हैं ये संसार कैसा है, कितना पाप बढ़ गया, आंतकवाद बढ़ गया, अशांति हिंसा बढ़ गई लेकिन हम देव युग में थे।

देवत्व हमारे अंदर छुपा है, हमें उसको जगाना है...

देवी देवताओं की जो भारत में पूजा हो रही है ये और कुछ नहीं, बल्कि हम अपने पूर्वजों को सम्मान दे रहे हैं। जैसे हम अपने दादा-दादी का फोटो रख लेते हैं फूलमाला भी चढ़ा देते है, धीरे-धीरे यही बात पूजा में बदल गई। हमारा देश तो देव भूमि था। यहां देवी देवताओं का वास था और वो देवी देवता कौन थे? हम ही थे। इसलिए हमारे अंदर सम्पूर्ण देवत्व छुपा हुआ है। पहचाने सभी छुपे हुए देवत्व को। सब को अनुभव है आप कहीं झूठ बोल दो, कभी न कभी झूठ बोला जाता है तो कहीं न कहीं थोड़ी देर के बाद आपकी दिल खाने लगती है। बहुत कम लोग होंगे जो पाप करके खुशी मनाते हों, उनका मन रोता है गलत हो गया अब नहीं करेंगे। देवत्व हमारे अंदर छुपा हुआ है हमें उसको जगाना है। हम सभी के पास बहुत सुंदर बुद्धि है लेकिन वो सो गई है। उसके ऊपर कई परतें चढ़ गई है उन परतों को हमें उतारना है, जिससे हमारा जीवन बहुत सुखी हो जाएगा।

विज्ञान की सक्रियता के बावजूद बढ़ रही मानवीय दूरियां

दीप प्रज्वलित कर सूचना तकनीकी प्रभाग सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथिगण।

माउंट आबू में सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग का सम्मेलन आयोजित

शिव आमंत्रण ➤ माउंट आबू। ब्रह्माकुमारीज संस्था के ज्ञान सरोवर में सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े लोगों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ताओं ने कहा कि विज्ञान ने जहां संसार को जोड़ने का कार्य किया है वहीं पारिवारिक व्यवहार व आपसी दूरियां भी बढ़ाई हैं, वर्तमान समय विज्ञान और आध्यात्म के समन्वय से ही भारत को फिर से स्वर्ग बनाने की आवश्यकता है। ब्रह्माकुमारीज़ संगठन के आस्ट्रेलिया सेवाकेंद्रों की प्रभारी, ज्ञान सरोवर अकादमी की निदेशिका राजयोगिनी डॉ. निर्मला ने कहा कि संकल्प शक्ति को किसी भी हालत में व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। सूचना संप्रेषण संसधानों की बदौलत समूचा संसार एक गांव की तरह बन गया है। एक सेकेण्ड में ही कोई भी सूचना संसार के दूसरे छोर पर पहुंच जाती है। लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है मानव की संकल्प शक्ति जो प्रकृति को भी प्रभावित करती है। अंतर्राष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर, अवेकनिंग विद् ब्रह्माकुमारीज़ फेम बीके शिवानी ने कहा कि जरूरत से अधिक अनावश्यक रूप से आधुनिक साधनों का उपयोग सेहत के लिए घातक बनता जा रहा है। जिससे मनुष्यों को कई प्रकार की तनावजन्य व्याधियों का शिकार होना पड़ रहा है। संसाधनों का उपयोग करते हुए अपने श्रेष्ठ संस्कारों को नहीं भूलना चाहिए। संगठन के मल्टीमीडिया प्रभाग प्रमुख बीके करुणा ने कहा कि संकल्प शक्ति के आगे संसार की सभी शक्तियां गौण हो जाती हैं। यदि संकल्प शक्ति के महत्व को जानकर उसे कार्य में लगाया जाए तो उसके सुखद परिणाम प्राप्त होंगे।

कैंसर मुक्त अभियान रथ यात्रा से बताए नशे के दुष्परिणाम, बीमारी के प्रति किया जागरूक

शिव आमंत्रण ➤ ठाणे/महाराष्ट्र। गुड़ी पाड़वा के पावन अवसर पर ठाणे महाराष्ट्र शासन आरोग्य विभाग, ठाणे ऑस्टेट्रीक्स व गायनाकोलॉजिस्ट सोसाइटी (ओजीएस) और ब्रह्माकुमारी मेडिकल प्रभाग के संयुक्त तत्वावधान में कैंसर मुक्त अभियान रथ यात्रा निकाली गयी। चित्रों, स्लोगन, और झांकियों द्वारा यह दर्शाया गया कि शारीरिक ही नहीं मानसिक स्वास्थ्य भी कैंसर जैसी गंभीर बीमारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ओजीएस के जनरल सेक्रेटरी डॉ. महेश जोशी, डॉ. रेखा थोटे व ठाणे बीके सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी लतिका व अन्य भाई-बहनें बड़ी संख्या में कैंसर मुक्ति के इस जन कल्याण जागरूकता अभियान में शामिल हुए। राजयोग से मन को शांति मिलने के साथ-साथ व्यक्ति का मनोबल भी बढ़ता है। बीमारी के प्रति हमारा दृष्टिकोण सकारात्मक होता जाता है, जिससे कैंसर जैसी ख़तरनाक बीमारी से लड़ने की ताक़त मिलती है। इसी परिकल्पना को स्पष्ट करने के लिए शोभा यात्रा में विभिन्न चित्रों द्वारा रथ को सजाया गया था। इस शोभा यात्रा में परिवार सहित नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. गायतोंडे, विधायक एडवोकेट श्री निरंजन डावखरे व सीए श्री संजीव ब्रहमे, ब्रह्माकुमारी भाई-बहनें भी उपस्थित थे। शोभा यात्रा में ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र द्वारा एक काल्पनिक यज्ञ कुंड भी बनाया गया था, जिसमें मुख्य रूप से पांच विकार को दर्शाया गया। लोगों ने खुशी-खुशी इस अनोखे यज्ञ कुंड में अपने दोष को प्रवाहित किया। यज्ञ कुंड में हिस्सा ले रहे हर एक व्यक्ति को वरदान भी दिया गया। वरदान को पाकर अद्भुत खुशी का अनुभव कर रहे थे।

कैंसर मुक्त अभियान रथ यात्रा द्वारा जन जागृति

सेमीनार: खुशी है जीवन का मूल उद्देश्य, इसे दूसरों को साथ भी बांटें

शिव आमंत्रण ➤ भोपाल/मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के सुख शांति भवन नीलबड़ भोपाल में निकट भविष्य में बैंक ऑफ बड़ोदा से सेवानिवृत होने वाले अधिकारियों के लिए ''जीवन का उद्देश्य'' विषय पर एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारी बहनों मुख्य वक्ता बीके हेमा, बीके साक्षी, बीके सरला और बीके प्रियंका ने खुशी को जीवन का मूल उद्देश्य बताया और इसे अपने जीवन में बनाये रखने तथा दूसरों को खुशी बांटने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए। बीके बहनों ने बताया कि राजयोग से ही जीवन में खुशियां प्राप्त हो सकती हैं। चाहे उम्र जो भी हो। बता दें कि नवनिर्मित सुख शांति भवन का हाल ही में शुभारंभ किया गया है। तब से यहां आमजन के लिए मोटिवेशनल सेमीनार नियमित रूप से आयोजित किया जा रहे हैं। सेवाकेंद्र संचालिका बीके नीता दीदी ने बताया कि हमारा उद्देश्य है कि भवन के माध्यम से समाज के अधिक से अधिक लोगों को राजयोग का लाभ मिले। विशेष अतिथि ओपी गुनानी, डिप्टी जोनल हेड ऑफ़ यूको बैंक एलएन आर्या, बीके आराधना, बीके सुंदरी, बीके उर्मी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

बीके बहनों एवं अन्य अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उदघाटन किया गया।

पर्यावरण

एक कदम प्रकृति संपदा संरक्षण की ओर

गौरैया एवं जल संरक्षण से होगा हमारा पर्यावरण संतुलित

शिव आमंत्रण ➤ हरदुआगंज/उप्र। गौरैया एवं जल संरक्षण कार्यक्रम में अपना विचार प्रस्तुत करते हुए बीके सत्य प्रकाश ने कहा कि दोनों ही पर्यावरण संरक्षण के लिए बहुत आवश्यक हैं। चिड़िया पराग कणों तथा बीजों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाती है, जिससे पौधों का विकास व संवर्धन होता है। आज और ग्रामिण समाज को विशेष रूप से सशक्त करने की आवश्यकता है। जहाँ वृक्ष हैं वहाँ जल संरक्षण स्वतः हो जाता है। बीके कमलेश ने कहा कि परमात्मा ने जब यह दुनिया बनाई थी तब पर्यावरण की कोई समस्या नहीं थी। नदियों में सुगंधित पानी था। रंग-बिरंगे पंछी वृक्षों पर कलरव करते थे। चारो ओर हरियाली खुशहाली थी। परंतु समय बीतने पर कलियुग के अंत में सब तरफ समस्या ही समस्या है। ऐसे ही समय भगवान् धरती पर सब समस्याओं का समाधान करने आ चुके हैं। अब चिंता करने की आवश्यकता नहीं है बल्कि परमात्मा हमसे क्या चाहते हैं वह करने की आवश्यकता है। श्री डॉट्स स्कूल की डाइरेक्टर पुष्पा शर्मा ने बीके बहनों को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया तथा पुनः पधारने का अनुरोध भी किया। बीके कमलेश ने सभी अतिथियों को सेवाकेन्द्र पर आमंत्रित किया। इस अवसर पर बच्चों ने बहुत सुंदर वृक्षारोपण, गौरैया एवं जल संरक्षण की लघु नाटिका प्रस्तुत कीं।

पर्यावरण बचाने की मुहिम में प्रस्तुति देते नन्हें कलाकार

सार समाचार

एक परमात्मा से स्वर्णिम युग की शुरुआत

शिव आमंत्रण ➤ इंदौर। कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम कलाकारों के सहयोग से स्वर्णिम दुनिया की स्थापना का दीप प्रज्वलित कर उदघाटन करते हुए इंदौर जोन की जोनल निदेशिका बीके आरती दीदी, वीणा पत्रिका के संपादक राकेश शर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार सदाशिव कौतुक, कत्थक डांसर चित्रांगदा, सोनल अरोरा व अन्य कलाकार। इसमें बीके आरती दीदी ने कहा कि सृष्टि पर एक समय ऐसा आता है जब परमपिता परमात्मा को स्वयं इस धरा पर आकर अपना परिचय देना पड़ता है। परमात्मा सत्य ज्ञान देने के साथ ही सतयुगी दुनिया के लिए एक धर्म, एक भाषा और एक राज्य की स्थापना करते हैं। इसके लिए हमें उस एक परमात्मा को ही याद करना है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर ब्लड डोनेशन कैम्प संपन्न

शिव आमंत्रण ➤ निम्बाहेड़ा/राजस्थन। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर निम्बाहेड़ा नगर में पल्लवन संस्था द्वारा ब्लड डोनेशन कैम्प लगाया गया। बीके शिवली बहन सहित कई बीके भाई-बहनों ने ब्लड डोनेट किया। कार्यक्रम की शुरुआत में लॉयन्स क्लब की प्रेजिडेंट वर्षा बहन ने बीके शिवली बहन का स्वागत किया। बीके शिवली बहन ने बताया कि रक्त दान महादान हैं। हर मनुष्य को रक्त दान अवश्य करना ही चाहिए। इस अवसर पर लायन्स क्लब की ओर से बीके शिवली बहन को ब्लड डोनेट करने के लिए धन्यवाद के साथ सर्टीफिकेट भी दिया।

पतंजलि योगपीठ महिलाओं को किया सम्मानित

शिव आमंत्रण ➤ फिरोजाबाद/उप्र। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के तत्वावधान में हिंदू नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संवत्सर 2067 के अवसर पर उसी महीने होने वाली राष्ट्रीय महिला दिवस हेतु टूण्डला सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके विजय के अतिरिक्त अन्य उपस्थित लोगों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सेवाकेन्द्र प्रभारी ने उपस्थित लोगों को राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया में जिस प्राचीन राजयोग की चर्चा होती है दरअसल वह परमपिता परमात्मा द्वारा अभी बताया गया सहज राजयोग ज्ञान ही है। परमात्मा इस धरा पर कब आते हैं, आने का उनका मकसद क्या होता है, इसकी भी संक्षिप्त जानकारी दी गयी।

पार्श्व गायिका तीजन बाई का किया सम्मान

शिव आमंत्रण ➤ भिलाई। छत्तीसगढ़ की पंडवानी गायिका तीजन बाई (पद्मभूषण एवं पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित) को आत्मा एवं परमात्मा का सत्य ज्ञान दिया गया। उन्हें यह भी बताया गया कि सहज राजयोग से ही सभी समस्याओं का निदान संभव है। इस अवसर पर बीके शिवानी बहन एवं बीके रवि बहन द्वारा ईश्वरीय सौगात भी प्रदान किया गया।

मीडिया और सामाजिक कल्याण से ही होगा बदलाव

शिव आमंत्रण अहमदाबाद। ऑल मीडिया काउंसिल के द्वारा अवार्ड कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चैतन्य महाप्रभु भगवान शरण बापू उज्जैन, मध्यप्रदेश ने की। कार्यक्रम के पूर्व ज्ञाननेन्द्र विश्वकर्मा ने सभी अतिथियों का बुके देकर सम्मानित किया। वर्ष 2019 के अवार्ड हेतु बीके नंदिनी बहन का चयन किया गया। उष्मा शाह ने बीके नंदिनी बहन को शॉल पहनाकर सम्मानित किया। समारोह में भारी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। बीके नंदिनी बहन ने कहा कि यह मेरा व्यक्तिगत सम्मान नहीं है, यह ब्रह्माकुमारीज़ का सम्मान है। यह आध्यात्मिक मीडिया जगत का भी सम्मान है। मीडिया और सामाजिक कल्याण से ही एक ज्योति जगाने का कार्य होगा। परमात्मा का संदेश देने का कार्य मीडिया क्षेत्र से ही होगा। इस अवसर पर छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की सराहना की गई।

ब्रह्मचर्य के साथ सात्विक जीवन राष्ट्र के आधार स्तम्भ

शिव आमंत्रण कोल्हापुर/महाराष्ट्र। महाराष्ट्र और आन्ध्रप्रदेश जोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके संतोष दीदी ने कहा कि व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से गिरावट के लिए हम सभी जिम्मेवार हैं। परिवर्तन की शुरूआत खुद से ही करनी होगी। इसलिए अखंड ब्रह्मचर्य का पालन करने वाले ही राष्ट्र के सच्चे आधार स्तम्भ हैं। इसलिए हमारे जीवन में पवित्रा का बहुत महत्व होना चाहिए। पुणे जोन की संचालिका राजयोगिनी बीके सुनंदा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुए इस कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

विश्व पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी का मॉडल लेकर लिया संकल्प

शिव आमंत्रण टूण्डला/उप्र। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में पृथ्वी मॉडल हाथ में लेकर संकल्प लेते हुए, राजेंद्र पाल सिंह, एडीओ रेखा गुप्ता जी जूलॉजी अध्यापिका, डॉ. डीके जैन प्रधानाचार्य, खेतपाल सिंह प्रधानाचार्य, नेत्रपाल सिंह प्राकृतिक चिकित्सक, बीके विजय बहन, बीके तनु एवं अन्य ने पृथ्वी को सतोप्रधान बनाने के लिए संकल्पित हुए।

पीस मैसेंजर बस यात्रा पहुंची गोरखपुर, जोरदार स्वागत किया

शिव आमंत्रण गोरखपुर/उप्र। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर युथ विंग का कार्यक्रम किया गया। साथ में अखिल भारतीय प्रदर्शनी बस अभियान 2017-2020 के अंतर्गत मेरा भारत स्वर्णीम भारत अभियान का आयोजन धूमधाम से किया गया। अतिथियों को ईश्वरीय सौगात देकर बीके बहनों ने स्वागत भी किया। मंच पर गोरखपुर नगर विधायक राधा मोहन अग्रवाल, मेयर सीता राम जैसवाल, बीके गीता, बीके पुष्पा, बीके पारुल, बीके सुनीता, बीके विपिन उपस्थित रहे।

नवरात्रि पर चैतन्य देवियों की झांकी सजाई

शिव आमंत्रण टूण्डला/उप्र। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में चैत्र नवरात्रि कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. आंसू गुप्ता ने चैतन्य देवियों की झांकी का फीता काटकर उद्घाटन किया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके विजय बहन ने आत्मा-परमात्मा के साथ ही राजयोग के संबंध में विस्तारपूर्वक बताया। मुख्य अतिथि ने ब्रह्माकुमारी द्वारा की जा रही कार्यों की काफी सराहना और प्रशंसा की। उन्होंने कहा की आज पूरे विश्व में ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा देवी दुनिया यानी स्वर्ग की स्थापना हो रहा है। साथ में बहन प्रतिभा उपाध्याय जी (स्वीप ब्रांड अवेन्सडेर) शिव प्रसाद मेमोरियल बालिका महाविद्यालय की प्रधानाचार्या लक्ष्मी ने भी संस्था के कार्य की सराहना की।

मेनका गांधी ब्रह्माकुमारीज़ के सुल्तानपुर सेवाकेंद्र पहुंचीं

शिव आमंत्रण सुल्तानपुर/उप्र। भारत सरकार की कैबिनेट मंत्री मेनका गांधी ने पयागीपुर स्थित ब्रह्माकुमारीज़ के विश्व शांति भवन में सुबह आध्यात्मिक सत्संग में भाग लिया। इस मौके पर सेवाकेंद्र संचालिका बीके दुर्गा ने मेनका गांधी सहित अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश संगठन महामंत्री रवींद्र त्रिपाठी को प्रसाद प्रदान किया। इस मौके पर डॉक्टर पांडे शिवा कांतभाई, गिरीश श्रीवास्तव, हरेंद्र सहित सैकड़ों भाई-बहन मौजूद रहे।

राज बब्बर ने सीखा राजयोग, म्यूजियम का किया अवलोकन

शिव आमंत्रण आगरा। राजनीति की दुनिया में भागदौड़ भरी ज़िन्दगी भले ही हो परन्तु आध्यात्मिकता की प्यास हमेशा इंसान को रहती है। आध्यात्मिकता का मतलब है अपने अंदर एक संतुलन बनाकर रखना और मन में शांति लाना, जिसकी ज़रूरत आज सभी को है। इसी आध्यात्मिकता से परिचय करने और उसकी गहराई में जाने के लिए आगरा के स्थानीय सेवाकेंद्र पर सांसद व अभिनेता राज बब्बर व विधायक भगवान सिंह कुशवाहा ने शिरकत की। इस मौके पर राज बब्बर ने म्यूज़ियम का अवलोकन किया और संस्थान द्वारा देश-विदेश में हो रही सेवाओं की सराहना की। राजयोग शिक्षिका बीके मधु और बीके माला ने ईश्वरीय सौगात भेंट कर मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया।

स्पार्क विंग के अंतर्गत आध्यात्मिकता को विज्ञान के साथ आगे ले जाने लिए लोकल चैप्टर की शुरूआत

शिव आमंत्रण उदयपुर/राजस्थान। स्पार्क विंग के कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि प्रो. शांति कुमार ने अपने 15 वर्षों का यौगिक खेती के अनुभवों को शेयर किया। कार्यक्रम के पूर्व मुख्य अतिथि ने स्पार्क विंग के राष्ट्रीय संयोजक बीके श्रीकांत को शॉल, बैज और सौगात देकर सम्मानित किया। सेन्टर प्रभारी रीटा ने कहा की ब्रह्माकुमारीज़ विगत 80 वर्षों से विश्व को सद्ज्ञान देने का कार्य कर रही है। उदयपुर में आध्यात्मिकता को विज्ञान के साथ आगे ले जाने के लिए लोकर चैप्टर का शुभारंभ किया गया।

नई राहें

पारिवारिक रिश्तों की नींव- धैर्य व सहनशीलता

बीके पुष्पेन्द्र

धैर्य, धीरज, धैर्यता। जीवन की पाठशाला के ये वो सूत्र हैं जिसे हल करने, समझने और प्रयोग करने से पारिवारिक संबंधों को नई मजबूती और आधार मिलता है। जीवन की गणित को सुलझाना तो आसान होता ही है, साथ ही रिश्तों की मिठास भी बढ़ जाती है। आज पारिवारिक ढांचा भरभराकर गिरने में अहम कारण रिश्तों में धैर्य और सहनशीलता रूपी नींव का अभाव होना है। हम जितनी तेजी से वैज्ञानिक संपन्नता की ओर बढ़ रहे हैं उतनी ही तेजी से पारिवारिक रिश्तों की गरिमा, विश्वास, स्नेह, प्रेम, अपनापन, वात्सल्य और मजबूती को खोते जा रहे हैं। क्योंकि हम सब्र करना भूलते जा रहे हैं। जबकि धैर्य तो आशा की वो कला है जिसे जितना मांझते जाएंगे वह उतनी ही निखरती जाएगी। ऐसी स्थिति में ये आत्मावलोकन जरूरी हो जाता है कि क्या हम रिश्तों और संबंधों को खूबसूरती के साथ निभाने में सफल हैं? क्या रोजाना की छोटी-छोटी बातों में हम अपना आपा खो बैठते हैं? क्या किसी रिश्ते को बचाने, उसे संवारने और नई दिशा देने के प्रति गंभीर हैं? धीरज के अभाव में कहीं रिश्तों की डोर फिसल तो नहीं रही है? जीवन संगीत को तू-तू, मैं-मैं की कर्कश तान से बेसुरा तो नहीं बना लिया है? वर्तमान के पलों को धूप-छांप की जुगत में ही तो नहीं गंवा रहे हैं? ये वो सवाल हैं जो हर मन में कौंधना लाजिमी हैं। अंतर आत्मा में जब ये सवाल उमड़ने और हिचकोने मारने लगें तो समझिए अभी सुधार की गुंजाइश है और आत्मावलोकन का समय है। परिवर्तन हमें स्वयं करना होगा। इंसान जब तक नहीं बदल सकता जब तक कि वह खुद न बदलना चाहे, फिर वह रिश्ते हों या निजी जीवन।

रिश्तों में एक-दूसरों की गलतियों को करें नजरअंदाज...

सफल जीवन व रिश्तों के लिए आत्मचिंतन पहली सीढ़ी है। पति-पत्नी में छोटी-छोटी बातों पर कड़वाहट, विवाद, दूरियां बढ़ने का कारण आपस में धैर्यता और सहनशीलता रूपी शीतल जल का अभाव होना है। बहुत कुछ पाने के चक्कर में हम रिश्तों में संवेदना और भावनाओं को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। ये धागा तभी पक्का होगा जब रिश्तों को समझने के साथ पर्याप्त समय देकर प्यार व स्नेह से सींचेंगे। धीरज के साथ एक-दूसरी की गलतियों को नजरअंदाज करते हुए मन की हार्ड डिस्क में भरी डंफ फाइलों को डिलीट करेंगे। क्योंकि जब तक रिश्तों रूपी सॉफ्टवेयर से मन रूपी जंक फाइलों को नहीं हटाएंगे तो रिश्तों की स्पीड नहीं बढ़ पाएगी। इन्हें फॉर्मेट करने का संकल्प लेते हुए धैर्यता व सहनशीलता रूपी एंटी बायरस डालकर जीवन आनंद लें।

कबीरदास: धीरे-धीरे रे मना, धीरे सबकुछ होय।
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय।।

अर्थात् जिस प्रकार कोई व्यक्ति आम के पेड़ को रोज बहुत सा पानी दे और उस पेड़ के नीचे आम आने की राह में बैठा रहे तो भी आम नहीं आएंगे क्योंकि आम तो केवल ऋतु में ही आते हैं, वैसे ही धैर्य रखने से समय आने पर सब काम हो जाते हैं। इससे हमें यह शिक्षा मिलती है कि जीवन में कुछ परिस्थितियां और समस्याओं का हल समय आने पर अपने आप निकल आता है। फिर बात चाहे व्यक्तिगत, पारिवारिक या सामाजिक परिवेश से जुड़ी हो। जैसे सोना अग्नि में चमकता है, वैसे ही धैर्यवान आपदा में दमकता है। जान रस्किन कहते हैं कि धीरज सारे आनंदों और शक्तियों का मूल है। सेंट आंगस्टीन कहते हैं कि धैर्य ज्ञान का साथी है। आइजैक न्यूटन का मानना था कि प्रतिभा धैर्य है।

आध्यात्मिकता सिखाती है धीरज रखना...

आध्यात्मिकता एक ऐसा टूल या मंत्र है जो जीवन को जानने, समझने और सही सलीखे से जीने का मंत्र सिखाती है। आध्यात्म जीवन प्रयोगशाला में नए-नए प्रयोग की विधि बताने के साथ उत्प्रेरक का काम भी करती है। इससे हम आंतरिक रूप से इतने सशक्त, मजबूत और शक्तिशाली हो जाते हैं कि जीवन के हर मोड़ की कंट्रोलिंग पावर आ जाती है। जिस व्यक्ति को तैरना आता है तो वह कुएं, तालाब और नदी के तेज प्रवाह में भी आसानी से तैर सकता है। परमात्मा कहते हैं कि 'सहन करने वाला ही शहंशाह बनता है'।

परमात्मा सबसे बड़ी धैर्यता की मूरत...

परमात्मा हम सभी आत्माओं के पिता हैं। वह सभी की जन्मकुंडली जानते हैं कि मेरा कौन बच्चा कितना महान और आसुरी संस्कारों का है। फिर भी वह सभी को मेरे लाडले बच्चे, मेरे सिकीलधे बच्चे, मेरे मीठे बच्चे कहकर रोज सबेरे पुकारता है, दुलार करता है और अपनी बांहों के तले आश्रय देकर बदलने के लिए प्रेरित करता है। इसके बाद भी हम अगले वही गलतियां करते हैं, उन्हें दोहराते हैं और फिर आसुरी संस्कारों, आदतों के कीचड़ में फंसकर मैले हो जाते हैं। फिर दूसरे दिन परमात्मा ज्ञान रूपी स्नान कराते हैं और मेरे मीठे-लाडले बच्चे कहकर पुकारते हैं। इस सबके बाद भी वह अपना धैर्य नहीं खोते क्योंकि वह धैर्यता की मूरत हैं। हम मनुष्यात्माओं से अथाह स्नेह और प्रेम करते हैं क्योंकि हम उनकी संतान हैं। सफल, सुखमय जीवन और मधुर रिश्तों की खातिर हम भी धैर्यता और सहनशीलता को अपना साथी, निजी गुण और संस्कार बना लें तो सब आसान हो जाएगा।

लेखक शिव आमंत्रण के संयुक्त संपादक हैं।

103 वर्षीय दादी जानकी ने नैरोबी में भाई-बहनों को दिया मार्गदर्शन...

परमात्मा से लाइट-माइट लेकर हर कर्म राइट करने की प्रेरणा

स्थानीय कलाकारों ने देश की संस्कृति पेश कर किया स्वागत

दादी जानकी जी के आगमन पर स्वागत करने पहुंचे सुप्रसिद्ध उद्योगपति निज़ार जुमा, बीके वेदांती व कई प्रतिष्ठित लोग।

शिव आमंत्रण ◆ नैरोबी। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी जी निश्चत रूप से एक फ्लाइंग एजिंल हैं जो दुबई के बाद अपने सफर को आगे बढ़ाते हुए कीनिया की राजधानी नैराबी पहुंची तो संस्थान से जुड़े कीनिया के सुप्रसिद्ध उद्योगपति निज़ार जुमा और साउथ अफ्रीका की डायरेक्टर बीके वेदांती समेत कई प्रतिष्ठित लोगों ने उनकी अगवानी करते हुए तहे दिल से दादी जी का स्वागत किया। दादी जी के नैरोबी पहुंचने पर ट्रेडिशनल नृत्य द्वारा स्थानीय कलाकारों ने उनका भव्य स्वागत किया, जिसके बाद दादी जी ने सेवाकेंद्र पर उपस्थित लोगों को परमात्मा से लाईट और माईट लेकर हर कर्म राइट करने की शिक्षा दी। समारोह में उपस्थित लोगों ने दादी जी के वरदानी बोल सुनकर स्वयं को खुशी, आनंद और उत्साह से भरपूर अनुभव किया। नैरोबी में सफलतापूर्वक सेवाएं बढ़ती रहें इस शुभकामनाओं के साथ दादी जी ने बीके वेदांती को मोमेंटों भेंट किया और सभी से विदायी ली।

अच्छे मार्ग पर आगे बढ़ने से पूरी दुनिया हमारे साथ होती है: बीके संतोष

'द इमेज ऑफ एन एंजल' थीम पर संबोधित करते हुए बीके संतोष।

शिव आमंत्रण ◆ सेंट पीटर्सबर्ग। 'द इमेज ऑफ एन एंजल' थीम पर पब्लिक प्रोग्राम का आयोजन रूस के सेंट पीटर्सबर्ग स्थित लाइटहाउस में हुआ, मुख्य अतिथियों में डॉक्टर ऑफ इकोनॉमिक्स, वेलेंटीना सर्गे, सिंगर मरीना मसलोवा और इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ इकोलॉजी एंड लाइफ प्रोटेक्शन साइंस के 'आध्यात्मिक पुनर्जागरण' विभाग के प्रमुख सर्गेई कुजेकोव की विशेष उपस्थिति रही। इस मौके पर रशिया में सेंट पीटर्सबर्ग की निदेशिका बीके संतोष ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया में बुराई भी है तो अच्छाई भी है लेकिन हमें इन दोनों में से किसका चयन करना है ये हमारे ऊपर है, यदि हम अच्छाई को चुनते हैं, अच्छाई के रास्ते पर आगे बढ़ते हैं, लोगों को सुख देते हैं तो पूरी दुनिया हमारे साथ होती है क्योंकि उन्हें हम फरीश्ते नज़र आते हैं। नई सांस्कृतिक और शैक्षिक परियोजना ए गार्डन-लाइक सिटी के तहत यह कार्यक्रम किया गया था, जिसे सरकार की सामाजिक नीति और सेंट पीटर्सबर्ग के महिला गठबंधन के समर्थन के साथ लॉन्च किया गया। कार्यक्रम में संगीत, नृत्य और मेडिटेशन सेशन भी रखा गया था जिससे सभी लाभान्वित हुए।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद का 70वां स्थापना दिवस

शिव आमंत्रण ◆ देनपसार। बाली के देनपसार में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद का 70 वां स्थापना दिवस मनाया गया, कार्यक्रम का आगाज़ गीत, नृत्य और दीप प्रज्वलन से हुआ, इस मौके पर इंडोनेशिया में ब्रह्माकुमारीज़ की राष्ट्रीय समन्वयक बीके जानकी को भी विशेष आमंत्रित किया गया था। बाली के पूर्व गवर्नर आई मेड मंगू पास्तिका, सीनेटर आई गुस्टी नुराह आर्य वेदकर्ण, भारत के कंसुल जनरल आरओ सुनील बाबू, एसवीसीसी के अध्यक्ष आरओ मनोहर पुरी की इस कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति रही। सभा के दौरान, बाली और

एआरसी में मलेशियन नेशनल तमिल टीचर्स रिट्रीट

रिट्रीट के बाद स्थानीय लोगों के साथ बीके रंजानी, बीके लेछु और बीके पुरे।

शिव आमंत्रण ◆ मलेशिया। तमिलनाडु में संस्थान के युवा प्रभाग की ज़ोनल को-ऑर्डिनेटर बीके रंजानी के मलेशिया स्थित एशिया रिट्रीट सेंटर पहुँचने पर उनका स्वागत किया गया। आगे बीके रंजनी ने सेवाकेंद्र द्वारा विशेष बीके टीचर्स के लिए आयोजित मलेशियन नेशनल तमिल टीचर्स रिट्रीट में उन्होंने मुख्य वक्ता की भूमिका निभाई। इस रिट्रीट में कई सेशंस लिए गए जिसमें राजयोग अभ्यास, ग्रुप डिस्कशन जैसी कई गतिविधियां आयोजित की गई थीं। करीब 130 बीके टीचर्स ने इसमें सहभागिता की जिसे बीके लेछु और बीके पुरे द्वारा भी मार्गदर्शित किया गया।

संदेश | सामाजिक जागरूकता

सत्य, अहिंसा का पाठ हर किसी को जरूरी

मस्तिष्क और दिल विषय पर संबोधित करते हुए बीके जेना।

शिव आमंत्रण ◆ नैशविले। सत्य और अहिंसा का दूसरा नाम महात्मा गांधी, जिन्हें करोड़ों देशवासियों के साथ पूरा विश्व नमन तो करता ही है साथ ही उनके सिद्धांतों पर चलने के लिए भी प्रयत्नशील है। ऐसे गांधीजी की महानता को याद करने के लिए टेनेसी के नैशविले में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसे संबोधित करने के लिए नैशविले के वरिष्ठ मंत्री जॉन एम लीन द्वारा वॉशिंगटन डीसी से ध्यान संग्रहालय की निदेशिका बीके सिस्टर जेना को विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया। इस मौके पर बीके जेना ने हेड एंड हार्ट विषय पर अपना उद्बोधन देते हुए नफरत पर विजय पाने के लिए सार्वभौमिक प्रेम का अभ्यास करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और राजयोग से होने वाले लाभों की जानकारी दी।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के बीच गहरे संबंध

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मॉस्को की निदेशिका बीके सुधा।

शिव आमंत्रण ◆ मॉस्को। मॉस्को में ब्रह्माकुमारीज़ के सेवाकेंद्र द लाइट हाउस ऑफ द वर्ल्ड में अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में हेल्थ फेस्टिवल का आयोजन हुआ। इस मौके पर मॉस्को में ब्रह्माकुमारीज़ की निदेशिका बीके सुधा की मुख्य उपस्थिति में राजयोग ध्यान एवं उसके विविध पहलुओं पर मंथन हुआ और स्वास्थ्य को ठीक रखने की विधि भी समझाई गयी। इस सेशन में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के बीच के गहरे संबंध पर प्रकाश डाला गया तथा राजयोग मेडिटेशन द्वारा होने वाले लाभों की जानकारी दी गई। इस मौके पर कार्यक्रम का आगाज़ जहाँ दीप प्रज्वलन कर तो कार्यक्रम का समापन बीके सदस्यों द्वारा दिए गए सुंदर पर्फोमेंस से हुआ।

सार समाचार

हाऊस ऑफ कॉमन्स में ब्रह्माकुमारीज़ आमंत्रित, डायनेमिक वुमेंस फाउंडेशन की लॉचिंग

शिव आमंत्रण ◆ लंदन। हाउस ऑफ कॉमन्स में डायनेमिक वुमेंस फाउंडेशन की लॉन्चिंग पर मुख्य अतिथि के रूप में मिडिल ईस्ट एवं यूरोपियन देशों में ब्रह्माकुमारीज़ की डायरेक्टर बीके जयंती को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर सेंट्रल क्रॉयडन की सांसद सारा जोन्स और क्रॉयडन हिंदू परिषद की अध्यक्षा माया पटेल समेत कई विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।

दुबई में राजयोगिनी दादी जानकी का भव्य सम्मान, कार्यक्रम में शामिल हुए छह सौ लोग

शिव आमंत्रण ◆ दुबई। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की मुख्य प्रशासिका 103 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी जब अपने स्नेह और आशीर्वचनों की वर्षा करने पहुंचीं तो एयरपोर्ट पर ही दादी जी का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे बीके सदस्यों की प्रतीक्षा की घड़ी समाप्त हो गई। दादी जी को देखकर सभी को ऐसा लग रहा था मानो आज बरसों की तपस्या का फल मिला हो। दादी जी के सम्मान में सेवाकेंद्र पर सुंदर आयोजन किया गया जहां दादी जी ने अपनी ओजस्वी वाणी से सभी में ऊर्जा का संचार कर दिया। सभा में मौजूद लगभग 600 लोगों ने स्नेह और वात्सल्यमूर्त दादी जी का दीदार कर स्वयं को भाग्यशाली अनुभव किया, वहीं दुबई सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके ज्योति को दादी जी ने मोमेंटों भेंटकर शुभकामनाएं दी।

मॉस्को के सांस्कृतिक निदेशक ने किया केन्द्र का अवलोकन

शिव आमंत्रण ◆ मॉस्को। किसी भी गलतफहमी और संघर्ष के लिए दूसरों को दोष देना बहुत आसान है लेकिन रिश्तों की संभाल करना एवं उन्हें संजोना उतना ही मुश्किल, रिश्तों में सामंजस्यता बनाये रखने के टिप्स देने के लिए 'हार्मनी इन रिलेशनशिप' विषय पर यूके के लेस्टर स्थित हार्मनी हाउस में कार्यशाला आयोजित की गई जिसे यूरोपियन देशों में ब्रह्माकुमारीज़ की निदेशिका बीके जयंती ने संबोधित करते हुए कहा कि यदि हम मधुर बोलना सीख जाएं तो काफी हद तक रिश्तों में दरार आने से रोका जा सकता है। जिसके लिए हमें ये समझ होना ज़रूरी है कि हर आत्मा का अपना अपना पार्ट है, किसी का कोई दोष नहीं है। बुराई हम सभी में है लेकिन कोई अंतर मन से बुरा नहीं है। इसके बाद बीके जयंती ने दर्शकों द्वारा पूछे गए सवालों के समाधान दिए और राजयोग अभ्यास द्वारा कार्यशाला का समापन हुआ।

टैगायटे सेवाकेंद्र में सेल्फ केयर विषय पर मेडिटेशन रिट्रीट

शिव आमंत्रण ◆ फिलीपींस। फिलीपींस के कैविटे प्रांत में स्थित टैगायटे शहर में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में मेडिटेशन रिट्रीट आयोजित हुई। यह प्रतिभागियों और संगठनों के लिए आध्यात्मिकता से जुड़ने का सुनहरा अवसर था जिसका विषय रहा 'सेल्फकेयर'। इसके बाद 'पीस ऑफ माइंड' रिट्रीट का आयोजन क्वेजोन सिटी और मकाती में किया गया, इसका मुख्य उद्देश्य था कि प्रतिभागी अपने भीतर की आध्यात्मिकता की खोज करें और अपने मन को साफ करने के तरीके सीख सकें। इस मौके पर आंतरिक शांति, आत्म-सम्मान और सकारात्मक चिंतन पर विशेष चर्चा हुई। बीके विक्की और बीके रीना ने सत्रों को संबोधित किया।

Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2018-20, Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2018
Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month

● प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डी.बी. सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित ● सलाहकार संपादक: प्रो. कमल दीक्षित ● संपादक: ब्र.कु. कोमल ● संयुक्त संपादक: ब्र.कु. पुष्पेन्द्र ● लेआउट: अमर (नोएडा) ● RNI No.: RJHIN/2013/53539